DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)
CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-28 February

2025

CONTENT

S. No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आई एफ टी एम में आंनद और उत्साह के साथ मनाया गया बसंत पचमे का त्यौहार		विधान केसरी	7	01/02/25
2.	आई एफ टी एम में आंनद और उत्साह के साथ मनाया गया बसंत पचमे का त्यौहार		शाह टाइम	8	01/02/25
3.	आई एफ टी एम विश्व विधालय के छह विधार्थियो की मिली जॉब		शाह टाइम	9	03/02/25
4.	आई एफ टी एम विश्व विधालय के छह विधार्थियो की मिली जॉब		विधान केसरी	10	03/02/25
5.	आई एफ टी एम के स्कूल ऑफ़ साइंसज में पेरेंट मेंटर मीट का हुआ आयोजन		विधान केसरी	11	05/02/25
6.	आई एफ टी एम में हुआ कार्य शाला का आयोजन प्रत्येक ब्यक्ति को अपने जीबन में आत्मसात करना चाहिए : प्रो संजीव अग्रवाल		विधान केसरी	12	04/02/25
7.	आई एफ टी एम में स्पर्श कुष्ट रोग जागृत अभियान विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		युगबंधु	13	04/02/25
8.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में हुआ ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन		युगबंधु	14	04/02/25
9.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में हुआ ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन		विधान केसरी	15	04/02/25
10.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में हुआ ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन		शाह टाइम	16	04/02/25
11.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में रेकिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन		युगबंधु	17	04/02/25
12.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में रेकिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन		विधान केसरी	18	04/02/25
13.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में रेकिंग		शाह टाइम	19	04/02/25

	विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का 20हुआ आयोजन				
14.	आई एफ टी एम में व्यक्तित्व विकास विषय पर हुआ प्रेरक बर्ता का आयोजन		शाह टाइम	20	04/02/25
15.	आई एफ टी एम में व्यक्तित्व विकास विषय पर हुआ प्रेरक बर्ता का आयोजन		विधान केसरी	21	04/02/25
16.	आई एफ टी एम में वैज्ञानिक और ओधोगिक अनुसन्धान में अत्यधुनिक प्रौद्योगिकीय शीर्षक पर एक सफ्ता के नेशनल फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोगाम का हुआ शुभआरभ		युगबंधु	22	04/02/25
17.	आई एफ टी एम में वैज्ञानिक और ओधोगिक अनुसन्धान में अत्यधुनिक प्रौद्योगिकीय शीर्षक पर एक सफ्ता के नेशनल फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोगाम का हुआ शुभआरभ		शाह टाइम	23	04/02/25
18.	आई एफ टी एम में हुआ अतिथि व्याख्यान का आयोजन		विधान केसरी	24	04/02/25
19.	आई एफ टी एम में फार्मेसी में उभरते कॅरियर मार्गो की खोज अबसरऔर विषय पर हुआ संघोष्ठी का आयोजन		विधान केसरी	25	04/02/25
20.	आई एफ टी एम में फार्मेसी में उभरते कॅरियर मार्गो की खोज अबसरऔर विषय पर हुआ संघोष्ठी का आयोजन		अमरउजाला	26	04/02/25
21.	आई एफ टी एम में होगी टी २० क्रिकेट की धूम		अमरउजाला	27	04/02/25
22.	आई एफ टी एम में स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		विधान केसरी	28	5/2/25
23.	सिद्धू उबेसी के तूफान में उदा अलीग़ढ अमर उजाला		अमरउजाला	29	5/2/25
24.	डी सी ए मुरादाबाद व एमडीसीए मेरस्थ बने विजेता		दैनिक जागरण	30	5/2/25
25.	आई एफ टी एम के विद्यार्थियों ने मुरादाबाद मंडल के पंचायत भवन में आयोजित कृषि मेला २०२५ का किया भीमरण		विधान केसरी	31	5/2/25

26.	शिवम् शर्मा की फिरकी में फसी फिरोजाबाद की टीम		दैनिक जागरण	32	06/02/25
27.	रणजी खिलाडी शिवम् के ६ विकेट की बदौलत मुरादाबाद ने जेता मैच		हिंदुस्तान	33	06/02/25
28.	शिवम् के ६ से मुरादाबाद की दूसरी जीत		अमरउजाला	34	06/02/25
29.	दानिश की बदौलत मुरादाबाद ने लगातार तीसरा मैच जीता		हिंदुस्तान	35	07/02/25
30.	दानिश की बदौलत मुरादाबाद ने लगातार तीसरा मैच जीता		अमरउजाला	36	07/02/25
31.	प्रियम का नहीं चला बल्ला मेरठ की हार		दैनिक जागरण	37	07/02/25
32.	आई एफ टी एम में वैज्ञानिक और ओधोगिक अनुसन्धान में अत्यधुनिक प्रौद्योगिकीय शीर्षक पर एक सफ्ता के नेशनल फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोगाम सफलता पूर्वक सपन्न		विधान केसरी	38	08/02/25
33.	लखनऊ एवं डीएसए ब्लू टीम ने जीता मुकाबला		दैनिक जागरण	39	09/02/25
34.	क्रिकेट में मुरादाबाद और लखनऊ जीता		अमरउजाला	40	09/02/25
35.	अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाया दम		हिंदुस्तान	41	09/02/25
36.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में डिजाइन थिकिंग क्रिटिकल थिकिंग इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र का हुआ सफल समापन		युगबंधु	42	10/02/25
37.	आई एफ टी एम विश्व विधालय में डिजाइन थिकिंग क्रिटिकल थिकिंग इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र का हुआ सफल समापन		विधान केसरी	43	10/02/25
38.	आई एफ टी एम में कम्प्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तिया विषय पर हुआ विशेष बार्ता का आयोजन		विधान केसरी	44	10/02/25
39.	आई एफ टी एम में कम्प्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तिया विषय पर हुआ विशेष बार्ता का आयोजन		शाह टाइम	45	10/02/25

40.	आई एफ टी एम में कम्प्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तिया विषय पर हुआ विशेष बार्ता का आयोजन		युगबंधु	46	10/02/25
41.	आई एफ टी एम विवि और यूजीसी एम एम टी टी सी में करार		अमरउजाला	47	12/02/25
42.	आई एफ टी एम विवि और यूजीसी एम एम टी टी सी में करार आई एफ टी एम में मान्य गया राष्ट्रीय मैला दिवस २०२५		विधान केसरी	48	12/02/25
43.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाधय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाधय दूर लिखित अन्तरराष्ट्रीय पुस्तक का हुआ विमोचन		युगबंधु	49	12/02/25
44.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाधय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाधय दूर लिखित अन्तरराष्ट्रीय पुस्तक का हुआ विमोचन		विधान केसरी	50	12/02/25
45.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय की सिक्षिको दूर लिखी पुस्तक पर्सनल फिनेंस एड प्लानिंग का हुआ विमोचन		युगबंधु	51	12/02/25
46.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय की सिक्षिको दूर लिखी पुस्तक पर्सनल फिनेंस एड प्लानिंग का हुआ विमोचन		विधान केसरी	52	12/02/25
47.	आई एफ टी एम के कृषि विधार्थीओ ने पूसा कृषि विज्ञान मेला २०२५ का किया देखा		विधान केसरी	53	22/02/25
48.	आई एफ टी एम में हुआ एक दिवस कार्य शाला का आयोजन		विधान केसरी	54	22/02/25
49.	आई एफ टी एम में बेच औफ विजडम थीमपर आधारित चतुर्थ वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का कुलपति राजीव किठीबाल ने क्या उट्घाटन		विधान केसरी	55	28/02/25
50.	बंच ऑफ विजडम थीम पर हुई प्रदर्शनी		अमरउजाला	56	28/02/25
51.	विधार्थीओ का मार्गदर्शन करती है पुस्तके राजीव कोठीबल		हिंदुस्तान	57	28/02/25

52.	मैजिक विदाउट फायर थम पर आधारितप्रतियोगिता का हुआ आयोजन		शाह टाइम	58	28/02/25
53.	आई एफ टी एम में कूल क्युलिनेरीस किरकटिंग मैजिक विदाउट फायर थम पर आधारित प्रतियोगिता का हुआ आयोजन		विधान केसरी	59	28/02/25
54.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय में फुचेर रेडी बिल्डिंग स्किल्स फॉर द जॉब ऑफ ठुमरो विषय पर हुआ बेबीनार का आयोजन		युगबंधु	60	28/02/25
55.	आई एफ टी एम में सेमिनार का आयोजन		शाह टाइम	61	28/02/25
56.	आई एफ टी एम में आदुनिक नौकरी बाजार में आगे बढ़ना डिजिटल युग में सफल नौकरी तलशने की रानीति विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		विधान केसरी	62	28/02/25
57.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय में अंदर १६ बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिखा नन्ने पंच्यो का परबाज		युगबंधु	63	28/02/25
58.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय में अंदर १६ बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिखा नन्ने पंच्यो का परबाज		शाह टाइम	64	28/02/25
59.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय और गुरु कूल कांगड़ी सैम विश्व विद्यालय के बीच शोथ को बढ़ाबा देने के लिए हुआ एम् ओ यू साइन		युगबंधु	65	28/02/25
60.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय और गुरु कूल कांगड़ी सैम विश्व विद्यालय के बीच शोथ को बढ़ाबा देने के लिए हुआ एम् ओ यू साइन		शाह टाइम	66	28/02/25
61.	आई एफ टी एम विश्विद्यालय के स्छूल आफ बाओटेक्नोलॉजी में प्रेंकड्स मेंटर मीट के हुआ आयोजन		युगबंधु	67	28/02/25

विधान केसरी

मुरा

आईएफटीएम में आनंद और उत्साह के साथ मनाया गया बसंत पंचमी का त्यौहार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का त्यौहार अत्यंत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सभी शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान हस्तांतरण का शुभ दिन माना जाता है, क्योंकि यह दिन अज्ञानता को दूर करता है। उन्होंने कहा कि बसंत ऋतु के शुभारम्भ के साथ ही सभी लोग नई ऊर्जा के साथ अपने कार्य का सम्पादन करते हुए विद्यार्थियों को भी शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करें। साथ ही कुलपति प्रो. पाण्डेय ने समस्त स्टाफ के आनन्दमय जीवन हेतु कामना भी की। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो बी.के. सिंह ने सभी उपस्थितों के साथ मिलकर माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि इस दिन से बसन्त ऋतु का प्रारम्भ होता है। बसन्त को ऋतुराज भी कहा जाता है, क्योंकि मुख्य पञ्च तत्व (जल, वायु, आकाश, अग्नि एवं धरती) संतुलित अवस्था में होते हैं, जिससे प्रकृति अत्यन्त सुंदर एवं मनोरम दिखती है। उन्होंने यह भी कहा कि बसन्त पंचमी पर पीले रंग का अपना महत्व है, इसलिए माँ सरस्वती को पीले पुष्प अर्पित किये जाते हैं और पीले भोजन का ही भोग लगाया जाता है तथा पीला रंग फसलों के पकने का संकेत भी करता है। इस ऋतु में फूल खिलने शुरू हो जाते हैं। इस मौके पर सीनियर कैम्पस इंजीनियर श्री सी.एस. नागिला समेत फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. समीर चन्द्रा, डॉ. तरूण कान्ति सरकार एवं कई शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में आनंद और उत्साह के साथ मनाया गया बसंत पंचमी का त्यौहार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का त्यौहार अत्यंत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सभी शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान हस्तांतरण का शुभ दिन माना जाता है, क्योंकि यह दिन अज्ञानता को दूर करता है। उन्होंने कहा कि बसंत ऋतु के शुभारम्भ के साथ ही सभी लोग नई ऊर्जा के साथ अपने कार्य का सम्पादन करते हुए विद्यार्थियों को भी शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित करें। साथ ही कुलपति प्रो. पाण्डेय ने समस्त स्टाफ के आनन्दमय जीवन हेतु कामना भी की। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो बी.के. सिंह ने सभी उपस्थितों के साथ मिलकर माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि इस दिन से बसन्त ऋतु का प्रारम्भ होता है। बसन्त को ऋतुराज भी कहा जाता है, जाते हैं और पीले भोजन का ही भोग लगाया जाता है तथा पीला रंग फसलों के पकने का संकेत भी करता है। इस

क्योंकि मुख्य पञ्च तत्व (जल, वायु, आकाश, अग्नि एवं धरती) संतुलित अवस्था में होते हैं,

जिससे प्रकृति अत्यन्त सुंदर एवं मनोरम दिखती है। उन्होंने यह भी कहा कि बसन्त पंचमी पर पीले रंग का अपना महत्व है, इसलिए माँ सरस्वती को पीले पुष्प अर्पित किये ऋतु में फूल खिलने शुरू हो जाते हैं। इस मौके पर सीनियर कैम्पस इंजी. नियर श्री सी.एस. नागिला समेत फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. समीर चन्द्रा, डॉ. तरूण कान्ति सरकार एवं कई शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से बीसीए के **04** और बी. एससी, कैमिस्ट्री के **02** विद्यार्थियों का असमोली, सम्भल स्थित कम्पनी 'धामपुर बायो ऑग्रेनिक्स लि०'' में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर श्री रूद्र नारायण के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशंप्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी श्री आशीष अग्रवाल तथा स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशंस और स्कूल ऑफ साइंसेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. ललित जौहरी एवं सुश्री शुभांगी अग्रवाल का योगदान रहा।

www.vidhankesari.com
सोमवार, 03 फरवरी 2025
6

आईएफटीएम के 06 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से बीसीए के 04 और बी.एससी, कैमिस्ट्री के 02 विद्यार्थियों का असमोली, सम्भल स्थित कम्पनी धामपुर बायो ऑग्रेनिक्स लि0 में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर रूद्र नारायण के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशंप्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी श्री आशीष अग्रवाल तथा स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशंस और स्कूल ऑफ साइंसेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. ललित जौहरी एवं सुश्री शुभांगी अग्रवाल का योगदान रहा।

आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज में पेरेंट- मेंटर मीट का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में पेरेंट- मेंटर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों की एकेडमिक गतिविधियां उनके अभिभावकों से साझा करने के सकारात्मक परिणाम आते हैं। इससे विद्यार्थी को नई दिशा मिलती है और समय पर उचित मार्गदर्शन भी मिलता रहता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने अभिभावकों को बधाई देते हुए सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जीवन में सफल होने व बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमताओं के विकास में शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक कुमार ने पेरेंट्स मीटिंग का महत्व बताते हुए सुझाव दिया कि अभिभावकों को अपने बच्चों की गतिविधियों के बारे में जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति और परीक्षाओं के महत्व को भी समझाया। इसके उपरांत स्कूल ऑफ साइंसेज के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ-साथ विभिन्न कक्षाओं के समन्वयकों, और संकाय सदस्यों ने अभिभावकों के साथ विचार विमर्श किया। इस दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों ने अपने विचारों को साझा करते हुए आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण की प्रशंसा की। इस मौके पर भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अतानु नाग ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि पालन-पोषण के बारे में एक राय रखना दुनिया में सबसे आसान काम है, लेकिन वास्तव में ऐसा करना सबसे कठिन काम है। उन्होंने यह भी बताया कि एक अच्छी शिक्षा बेहतर भविष्य की नींव होती है। अंत में उन्होंने सभी शिक्षकों अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के समन्वयक श्री संजय सिंह, आयोजन सचिव डॉ. स्मिता ज्योति समेत श्रीमती रुचि चैधरी, डॉ. रिद्धि गर्ग, डॉ. रोहित कुमार एवं प्रो. वी.पी. पांडे आदि फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल की सदस्या व गृह विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. तृप्ति पांडे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 85 से अधिक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

आईएफटीएम में हुआ कार्यशाला का आयोजन

प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए : प्रो. संजीव अग्रवाल

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ की ओर से संयुक्त राष्ट्र परिप्रेक्ष्य और मानवाधिकार उल्लंघन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता व इलाहबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. मधुरेन्द्र कुमार एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मानवाधिकारों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मानव जाति के लिए केवल एक विशेषाधिकार ही नहीं, अपितु मानव सभ्यता के उत्थान की घोषणा है, इसलिए इन्हें प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. कुमार ने अपने वक्तव्य में मानवाधिकारों के उत्थान से पूर्व के वैश्विक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य की उत्पत्ति के साथ-साथ मानवाधिकारों का संरक्षण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कल्याणकारी राज्य की स्थापना पर जोर देते हुए कहा कि सार्वभौमिक रूप से सभी मनुष्य जाति के साथ बिना किसी भेदभाव के एक समान व्यवहार किए जाने के लिए प्रेरित किया, ताकि मानव जाति को भविष्य में होने वाले युद्धों से बचाया जा सके। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में फिलिस्तीन एवं इजराइल और रूस एवं यूक्रेन जैसे संघर्ष मानवाधिकारों के हनन का एक ज्वलंत उदहारण है और वैश्विक समाधान के लिए हमें संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर पुनः विचार मंथन करना होगा। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम के संयोजक एवं स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने बुके भेंटकर मुख्य वक्ता प्रो. कुमार का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने मानवाधिकारों के संहिताबद्ध होने के क्रम पर प्रकाश भी डाला। कार्यक्रम का संचालन स्कूल ऑफ लॉ की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री ऊर्जा अरिवान ने किया। अंत में स्कूल की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मनीषा माटोलिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह संयोजक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. योगेंद्र सिंह समेत स्कूल के अन्य कई शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। इस कार्यशाला में स्कूल ऑफ लॉ के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में हुआ ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

श्री रंजीत कुमार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय के बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग-2022 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड, दुमका, झारखण्ड में असिस्टेंट मैनेजर-प्लानिंग एंड बिलिंग के पद पर कार्यरत श्री रंजीत कुमार मुख्य वक्ता के रूप में रहे। वेबिनार के दौरान मुख्य वक्ता श्री कुमार ने इंजीनियरिंग से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रो के बारे में रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को सरकारी उपक्रमों जैसे बीएचईएल, एनटीपीसी, एनएचएआई में रोजगार के अवसरो के बारे में जानकारी देने के साथ ही ह्यगेटह्न जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का महत्व भी बताया। उन्होंने इंजीनियरिंग संबंधित विभिन्न स्किल्स, सॉफ्टवेयर व पढ़ाई के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक शिक्षा के दौरान सिखाए गए अनुशासन का भी उद्योग जगत में अत्यंत महत्व बताया।

इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनुज श्रीवास्तव ने एलुमनस व मुख्य वक्ता श्री कुमार को उनकी उपलब्धि हेतु बधाई देते उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों की वेबिनार सम्बन्धित विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया। वेबिनार का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अपर्णा ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन मे एलुमिनाई समन्वयक सुश्री अंखी गुलाटी, डॉ. संजय कुमार यादव और डॉ. अमर शर्मा का विशेष योगदान रहा। वेबिनार के अंत में सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष श्री गौरव हावडिया ने आभार व्यक्त किया। इस वेबिनार में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वि०

आईएफटीएम में हुआ ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में ह्यह्यए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्सह्लह्ल विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय के बी.टेक, सिविल इंजीनियरिंग-2022 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड, दुमका, झारखण्ड में असिस्टेंट मैनेजर-प्लानिंग एंड बिलिंग के पद पर कार्यरत श्री रंजीत कुमार मुख्य वक्ता के रूप में रहे। वेबिनार के दौरान मुख्य वक्ता श्री कुमार ने इंजीनियरिंग से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रो के बारे में रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को सरकारी उपक्रमों जैसे बीएचईएल, एनटीपीसी, एनएचएआई में रोजगार के अवसरो के बारे में जानकारी देने के साथ ही ह्यगेटह्ल जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का महत्व भी बताया। उन्होंने इंजीनियरिंग संबंधित विभिन्न स्किल्स, सॉफ्टवेयर व पढ़ाई के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक शिक्षा के दौरान सिखाए गए अनुशासन का भी उद्योग जगत में अत्यंत महत्व बताया। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनुज श्रीवास्तव ने एलुमनस व मुख्य वक्ता श्री कुमार को उनकी उपलब्धि हेतु बधाई देते उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों की वेबिनार सम्बन्धित विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया। वेबिनार का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अपर्णा ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन मे एलुमिनाई समन्वयक सुश्री अंखी गुलाटी, डॉ. संजय कुमार यादव और डॉ. अमर शर्मा का विशेष योगदान रहा। वेबिनार के अंत में सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष श्री गौरव हावडिया ने आभार व्यक्त किया। इस वेबिनार में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में हुआ 'ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स' विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में ''ए गाइड फॉर एस्पायरिंग इंजीनियर्स'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय के बी. टेक, सिविल इंजीनियरिंग-2022 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड, दुमका, झारखण्ड में असिस्टेंट मैनेजर-प्लानिंग एंड बिलिंग के पद पर कार्यरत श्री रंजीत कुमार मुख्य वक्ता के रूप में रहे। वेबिनार के दौरान मुख्य वक्ता श्री कुमार ने इंजी. नियरिंग से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रो के बारे में रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को सरकारी उपक्रमों जैसे बीएचईएल, एनटीपीसी, एनएचएआई में रोजगार के अवसरो के बारे में जानकारी देने के साथ ही 'गेट' जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का महत्व भी बताया। उन्होंने इंजी.

श्री रंजीत कुमार

नियरिंग संबंधित विभिन्न स्किल्स, सॉफ्टवेयर व पढ़ाई के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक शिक्षा के दौरान सिखाए गए अनुशासन का भी उद्योग जगत में अत्यंत महत्व बताया। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनुज श्रीवास्तव ने एलुमनस व मुख्य वक्ता श्री कुमार को उनकी उपलब्धि हेतु बधाई देते उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रतिभागियों की वेबिनार सम्बन्धित विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया। वेबिनार का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अपर्णा ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन मे एलुमिनाई समन्वयक सुश्री अंखी गुलाटी, डॉ. संजय कुमार यादव और डॉ. अमर शर्मा का विशेष योगदान रहा। वेबिनार के अंत में सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष श्री गौरव हावडिया ने आभार व्यक्त किया। इस वेबिनार में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभिन्न विभागों के 80 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सेल की ओर से रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक सुरक्षित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है, जहां सभी विद्यार्थी बिना भय के अपने शैक्षणिक व व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें। रैगिंग विरोधी समिति के संयोजक व चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को ह्यरैगिंग विरोधीह्न शपथ दिलाते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है, जो न केवल पीड़ित विद्यार्थी के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि शैक्षिक माहौल को भी

नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

समारोह के समापन की घोषणा करते हुए रैगिंग विरोधी दस्ते के अध्यक्ष व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि यह शपथ सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों और अनुशासन को आत्मसात करने का संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी रैगिंग मुक्त वातावरण बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने सभी से अपील की कि वे सहयोग, मित्रता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करें, ताकि परिसर में एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक माहौल बना रहे। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रैगिंग मुक्त परिसर बनाए रखने की शपथ ली। समारोह के सफल आयोजन में रैगिंग विरोधी समिति एवं रैगिंग विरोधी दस्ते के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। एजेंसी

आईएफटीएम में 'रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह' का हुआ आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सेल की ओर से ''रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक सुरक्षित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है, जहां सभी विद्यार्थी बिना भय के अपने शैक्षणिक व व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें। रैगिंग विरोधी समिति के संयोजक व चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को 'रैगिंग विरोधी' शपथ दिलाते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है, जो न केवल पीडित विद्यार्थी के मानसिक व है, बल्कि शैक्षिक माहौल को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

समारोह के समापन की घोषणा करते हुए रैगिंग विरोधी दस्ते के अध्यक्ष व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि यह शपथ सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों और अनुशासन को आत्मसात करने का संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे सहयोग, मित्रता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करें, ताकि परिसर में एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक माहौल बना रहे।

इस कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रैगिंग मुक्त परिसर बनाए रखने की शपथ ली। समारोह के सफल आयोजन में रैगिंग विरोधी समिति एवं रैगिंग विरोधी दस्ते के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व भारी संख्या में

आईएफटीएम में रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सेल की ओर से रैगिंग विरोधी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक सुरक्षित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है, जहां सभी विद्यार्थी बिना भय के अपने शैक्षणिक व व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें। रैगिंग विरोधी समिति के संयोजक व चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को रैगिंग विरोधी शपथ दिलाते हुए कहा कि रैगिंग एक गंभीर अपराध है, जो न केवल पीड़ित विद्यार्थी के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि शैक्षिक माहौल को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। समारोह के समापन की घोषणा करते हुए रैगिंग विरोधी दस्ते के अध्यक्ष व अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि यह शपथ सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों और अनुशासन को आत्मसात करने का संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी रैगिंग मुक्त वातावरण बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे सहयोग, मित्रता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करें, ताकि परिसर में एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शैक्षणिक माहौल बना रहे। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रैगिंग मुक्त परिसर बनाए रखने की शपथ ली। समारोह के सफल आयोजन में रैगिंग विरोधी समिति एवं रैगिंग विरोधी दस्ते के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधान केसरी मुरादाबा

आईएफटीएम में व्यक्तित्व विकास विषय पर हुआ प्रेरक वार्ता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के संयुक्त तत्वावधान में व्यक्तित्व विकास विषय पर प्रेरक वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व विकास के सदैव प्रति जागरूक रहते हुए आत्म संवर्धन पर ध्यान देना चाहिए। सेमिनार के मुख्य वक्ता व उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी जिला नैनीताल के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल के प्रोफेसर आशुतोष कुमार भट्ट ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रेरित भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अपने समग्र विकास के लिए सतत प्रयास करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता प्रो. भट्ट से प्रेरणादायक जीवन दर्शन, समय प्रबंधन और संचार कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के संयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक व कंप्यूटर इजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार समेत डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. मनीष रंजन पाण्डेय, डॉ. ललित जौहरी, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित भटनागर, डॉ. शैली भारद्वाज, सुश्री ऋतु नागिला एवं मैटरिंग एंड काउसलिंग सेल के समन्वयक श्री संजय सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस कार्यक्रम में स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'व्यक्तित्व विकास' विषय पर हुआ 'प्रेरक वार्ता' का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मेंटरिंग एंड काउंस. लिंग सेल और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के संयुक्त तत्वाधान में ''व्यक्तित्व विकास'' विषय पर ''प्रेरक वार्ता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व विकास के सदैव प्रति जागरूक रहते हुए आत्म संवर्धन पर ध्यान देना चाहिए।

सेमिनार के मुख्य वक्ता व उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी जिला नैनीताल के कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल के प्रोफेसर आशुतोष कुमार भट्ट ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रेरित भी किया। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से अपने समग्र विकास के लिए सतत प्रयास करने की

आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता प्रो. भट्ट से प्रेरणादायक जीवन दर्शन, समय प्रबंधन और संचार कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के संयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक व कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार समेत डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. मनीष रंजन पाण्डेय, डॉ. ललित जौहरी, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित भटनागर, डॉ. शैली भारद्वाज, सुश्री ऋतु नागिला एवं मैंटरिंग एंड काउसलिंग सेल के समन्वयक श्री संजय सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस कार्यक्रम में स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शीर्षक पर एक सप्ताह के नेशनल फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज एवं इस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शीर्षक पर एक सप्ताह की अवधि के नेशनल फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. रूपेश कुमार गुप्ता एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रो. सिंह ने इस फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम के सभी सत्रों एवं सम्मानित रिसोर्स पर्सन्स के बारे में जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को सभी सत्रों में प्रतिभाग कर विशेषज्ञों के साथ अपने प्रश्नों पर चर्चा करके यथासंभव ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उन्होंने बेहतर भविष्य के निर्माण में प्रौद्योगिकी की महत्ता बताते हुए कहा कि संचार, दक्षता और उत्पादकता में सुधार करने में प्रौद्योगिकी का बहुत योगदान है। मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विज्ञान की भूमिका विषय पर अत्यंत जानकारियां उपलब्ध कराते हुए एक उत्कृष्ट व्याख्यान दिया।

इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता को विश्वविद्यालय की ओर से प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित कुमार ने मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता का संक्षिप्त परिचय दिया। वहीं एफडीपी के सलाहकार व वरिष्ठ प्रोफेसर एस.डी. शर्मा ने इस कार्यक्रम के विषय के बारे में प्रतिभागियों को परिचित कराया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. तृप्ति पांडेय ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति एवं डॉ. रिद्धि गर्ग का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजना तिवारी ने मुख्य वक्ता और सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान 47 से अधिक फैक्लटी मेंबर्स उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में 'वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां' शीर्षक पर एक सप्ताह के

'नेशनल फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम' का हुआ शुभारम्भ

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज एवं इस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में ''वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां'' शीर्षक पर एक सप्ताह की अवधि के 'नेशनल फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम' का शुभारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. रूपेश कुमार गुप्ता एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रो. सिंह ने इस फैकल्टी डेवेलपमेन्ट प्रोग्राम के सभी सत्रों एवं सम्मानित रिसोर्स पर्सन्स के बारे में जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को सभी सत्रों में प्रतिभाग कर विशेषज्ञों के साथ अपने प्रश्नों पर चर्चा करके यथासंभव ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। साथ ही उन्होंने बेहतर भविष्य के निर्माण में प्रौद्योगिकी की महत्ता बताते हुए कहा कि संचार, दक्षता और उत्पादकता में सुधार करने में प्रौद्योगिकी का बहुत योगदान है। मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता ने अपने वक्तव्य में ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विज्ञान की भूमिका'' विषय पर अत्यंत जानकारियां उपलब्ध कराते हुए एक उत्कृष्ट व्याख्यान दिया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता को विश्वविद्यालय की ओर से प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित कुमार ने मुख्य वक्ता प्रो. गुप्ता का संक्षिप्त परिचय दिया। वहीं एफडीपी के सलाहकार व वरिष्ठ प्रोफेसर एस.डी. शर्मा ने इस कार्यक्रम के विषय के बारे में प्रतिभागियों को परिचित कराया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. तृप्ति पांडेय ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति एवं डॉ. रिद्धि गर्ग का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजना तिवारी ने मुख्य वक्ता और सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान 47 से अधिक फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित रहे।

विधान केसरी मुरादाब

आईएफटीएम में हुआ अतिथि व्याख्यान का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से साहित्य समीक्षा और शोध समस्या का चयन विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने व्याख्यान के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शोध कार्य का महत्व कभी समाप्त नहीं होता है, बल्कि लंबे समय तक उस अध्ययन कार्य की समीक्षा की जाती है। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी कैम्पस में संचालित शिक्षा संकाय (सीआईई) के प्रो. गौरव राव ने शोध समीक्षा के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शोध शुरू होने से पहले विस्तारपूर्वक साहित्य समीक्षा अवश्य की जानी चाहिए, ताकि शोध को नई दिशा देने में मदद मिल सके। प्रो. राव ने प्रतिभागियों को शोध विषय का चयन, शोध में आने वाली समस्या और साहित्य समीक्षा लेखन पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने प्रो. राव को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रो. आर्य ने यह भी कहा कि शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए यह व्याख्यान बेहद लाभदायी सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. निकिता यादव ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका व अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. शिवाली सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। व्याख्यान के दौरान विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व 70 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह संयोजक व हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित मिश्रा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री पुलकित शर्मा का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीईएम में हुआ सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, की ओर से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2025 के अंतर्गत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की कड़ी में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों हेतु सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति आम जनमानस में जागरूकता लाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोग सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियमों का महत्त्व समझें और इनका पूर्णरूप से पालन करें। उन्होंने सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों से यातायात के नियमों का पूर्णरूप से पालन करने के साथ ही अन्य लोगों को भी प्रेरित करने की सलाह भी दी। इस मौके पर एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने भी यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना ड्राइविंग है।

कई ड्राइवर तेज गति से गाड़ी चलाना, शराब के नशे में गाड़ी चलाना और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करना जैसे खतरनाक व्यवहार करते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता जरूरी है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सके। कार्यक्रम का संचालन आयोजक डॉ. अशोक कुमार ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह समन्वयक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र, आयोजन सचिव श्रीमति रुचि चौधरी समेत डॉ. अतानु नाग, डॉ. रिद्धिगर्ग, डॉ. तृप्ति पांडे, डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. समीर चंद्रा तथा अन्य कई शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों समेत कई शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

आईएफटीएम में फार्मेसी में उभरते करियर मार्गों की खोज: अवसर और नवाचार विषय पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल एवं फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के संयुक्त तत्वावधान में फामेर्सी में उभरते करियर मार्गों की खोजः अवसर और नवाचार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. महेंद्र राणा मुख्य वक्ता रहे।

मुख्य वक्ता डॉ. राणा ने अपने वक्तव्य में कहा कि पारंपरिक रूप से फामेर्सी को केवल दवा वितरण और अस्पतालों तक सीमित समझा जाता रहा है।

आज के परिवेश में फामेर्सी के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है तथा इस क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल रिसर्च, क्लिनिकल फामेर्सी, रेगुलेटरी अफेयर्स, मेडिकल राइटिंग और फामाकोविजिलेंस जैसे कई नए कॅरियर विकल्प उभर रहे हैं, जिनमें अवसरों की संभावनाएं बढ़ रही हैं। साथ ही उन्होंने फामेर्सी के क्षेत्र को और अधिक समृद्ध बनाने में नवाचारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पर्सनलाइज्ड मेडिसिन जैसी तकनीकों ने भी फामेर्सी को नए आयाम दिए हैं।

सेमिनार के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि यदि आप फामेर्सी के क्षेत्र में अपना भविष्य उज्जवल बनाना चाहते हैं, तो आपको चाहिए कि आप नई तकनीकों को सीखें, डिजिटल कौशल विकसित करें, और नवाचारों को अपनाने के लिए सदैव प्रयासरत रहें। उन्होंने यह भी कहा कि फामेर्सी का भविष्य अत्यधिक संभावनाओं से भरा हुआ है, बस जरूरत है सही दिशा में मेहनत करने की। कार्यक्रम के आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेमिनार का संचालन सुश्री रितिका सक्सेना ने किया। सेमिनार के सफल आयोजन में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के समन्वयक श्री संजय सिंह एवं सदस्य डॉ. मुनेश मनी समेत डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव आदि फैकल्टी मैम्बर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस सेमिनार में फामेर्सी संकाय के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 4 फरवरी 2025
7

फार्मेसी में अवसरों की भरमार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल एवं फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की ओर से एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसका विषय फार्मेसी में उभरते कॅरिअर मार्गों की खोज, अवसर और नवाचार रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि फार्मेसी में शोध, मेडिकल राइटिंग और फार्माकोविजिलेंस समेत कॅरिअर के विकल्पों की भरमार है।

संगोष्ठी में मौजूद लोग। स्रोत : विवि

मुख्य वक्ता कुमाऊं विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेंद्र राणा ने कहा कि पारंपरिक रूप से फार्मेसी को केवल दवा वितरण और अस्पतालों तक सीमित समझा जाता है। जबकि इसमें फार्मास्युटिकल रीसर्च, क्लिनिकल फार्मेसी, रेगुलेटरी अफेयर्स, फार्माकोविजिलेंस जैसे कई क्षेत्र कॅरिअर के लिए खुले हैं। डॉ. राणा ने फार्मेसी के क्षेत्र को अधिक समृद्ध बनाने के लिए नवाचार को महत्वपूर्ण बताया। आईएफटीएम के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पर्सनाइज्ड मेडिसिन जैसी तकनीकों ने भी फार्मेसी को नए आयाम दिए हैं। अध्यक्षता फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा रहे। प्रो. सुशील कुमार ने आयोजन सचिव का दायित्व निभाया। इस मौके पर मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के समन्वयक संजय सिंह, डॉ. मुनेश मनी, डॉ. अलंकार व 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। ब्यूरो

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 4 फरवरी 2025 04

आईएफटीएम में होगी टी-ट्वंटी क्रिकेट की धूम

मुरादाबाद। मुरादाबाद के प्रतिष्ठित अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का मंगलवार से आगाज होगा। इसमें आठ टीमें हिस्सा लेंगी। आईएफटीएम के मैदान पर प्रति दिन दो टीमें खेलेंगी। प्राइजमनी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक वर्ष कराया जाता है। यूपीसीए के निदेशक व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि इसमें कई शहरों के खिलाड़ी पहुंचेंगे।

आईएफटीएम में स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय की ओर से स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी बताया कि इस रोग में शरीर की त्वचा के साथ-साथ नसें भी प्रभावित होती हैं, लेकिन यह एक छूत का रोग नहीं है। इस सेमिनार में नेशनल हैल्थ मिशन, मुरादाबाद के जिला कुष्ठ रोग परामर्शदाता डॉ. भास्कर अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में जानकारी दी कि मुरादाबाद शहर में सरकारी अस्पतालों और जिला कुष्ठ रोग कार्यालयों में कुष्ठ रोग का इलाज निःशुल्क किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आम जनमानस को स्पर्श कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से नेशनल हैल्थ मिशन, मुरादाबाद की ओर से समय-समय पर सेमिनार्स का भी आयोजन किया जाता है। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि यह सेमिनार विद्यार्थियों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के आयोजन सचिव व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य देश को कुष्ठ रोग से मुक्त करना है, जिसमें विद्यार्थी अपना अहम योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज में जागरूकता फैलाने से इस रोग को समाप्त करने में सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रितिका सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम के समन्वयक शिक्षक प्रो. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. विजय शर्मा, श्री त्रिभुवन वशिष्ठ, डॉ. अलंकार आदि कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस सेमिनार में फामेर्सी संकाय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम के विद्यार्थियों ने मनाया विश्व आर्द्रभूमि दिवस

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बी.एससी. (आनर्स) कृषि पाठ्यक्रम के 34 विद्यार्थियों ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया, प्रोजेक्ट ऑफिस, मुरादाबाद के सदस्यों के साथ करूला नदी के किनारे ग्राम रहटौली, स्योहारा, बिजनौर में विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमि के महत्व और उनके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा जिस प्रकार से हमारे शरीर में जल को शुद्ध करने का कार्य किडनी द्वारा किया जाता है, ठीक उसी प्रकार वेटलैंड तंत्र जल-चक्र द्वारा जल को शुद्ध करता है और प्रदूषणकारी अवयवों को निकाल देता है। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह एवं आयोजक डॉ. शुभम गुप्ता और डॉ. आंचल सिंह व डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, इंडिया के प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री पंकज कुमार ने समाज के भविष्य के लिए आर्द्रभूमि के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को जल की गुणवत्ता बनाए रखना, जल चक्रों को विनियमित करना, जलीय पौधों और जानवरों के लिए जैव विविधता और आवास का समर्थन करना, बाढ़ नियंत्रण और जलवायु विनियमन सहित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करना, कृषि, मत्स्य पालन और स्थानीय आजीविका का समर्थन करना आदि के बारे में भी विस्तार के साथ जानकारी दी गई। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के आयोजन से विद्यार्थियों ने जल परीक्षण और विश्लेषण तकनीकों सहित पानी की गुणवत्ता के पैरामीटर, जैसे पीएच, घुलित ऑक्सीजन और टीडीएस परीक्षण आदि के बारे में भी सीखा। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने का सुअवसर मिला।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बुधवार, 5 फरवरी 2025
5

सिद्धू-उवैस के तूफान में उड़ा अलीगढ़

मुरादाबाद ने 10 विकेट से जीता मैच, उवैस ने 18 गेंदों में बनाए 64 रन, सिद्धू ने झटके चार विकेट

city sports

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित अवस्थी मेमोरियल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का मंगलवार को आगाज हो गया। इसमें विभिन्न शहरों की आठ टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। पहले मैच में डीएसए रेड मुरादाबाद ने उवैस की आतिशी पारी की बदौलत अलीगढ़ को 10 विकेट से हराया। दूसरे मैच में डीएसए मेरठ ने फिरोजाबाद को मात दी। दोनों मुकाबले आईएफटीएम के मैदान पर खेले गए।

टूर्नामेंट का आगाज आईएफटीएम विश्वविद्यालय के चांसलर राजीव कोठीवाल और वाइस चांसलर डॉ. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहले दिन का पहला मुकाबला डीएसए रेड मुरादाबाद और अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। मुरादाबाद की टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग की।

आईएफटीएम में क्रिकेट मैच के दौरान शॉट लगाता बल्लेबाज। अमर उजाला

अलीगढ़ की टीम 13.5 ओवर में मात्र 84 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मुजीब मीना ने सर्वाधिक 29 व माधव वशिष्ठ ने 27 रन का योगदान किया। डीएसए मुरादाबाद के लिए कार्तिक सिद्धू ने चार, पर्व सिंह और अक्षु बाजवा ने तीन-तीन विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए डीएसए मुरादाबाद रेड ने 5.2 ओवर में बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर लिया। उवैस अहमद ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में तीन छक्कों और 10 चौकों की मदद से नाबाद 64 रन ठोकें। प्लेयर ऑफ द मैच कार्तिक सिद्धू को चुना गया।

दूसरे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की टीम 19 ओवर में 120 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए विश्वदीप सिंह ने 28 व अभिषेक यादव ने 19 रन बनाए। डीसीए मेरठ के लिए गेंदबाजी में कार्तिक और नमन तीन-तीन व प्रशांत चौधरी ने दो विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसीए मेरठ ने 11.5 ओवर में चार विकेट खोकर जीत हासिल की। प्रशांत चौधरी ने 24 गेंदों में छह चौकों व तीन छक्कों की मदद से 49 रन बनाए। यशु प्रधान ने 35 गेंदों में अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने भी छह चौके व तीन छक्के लगाए। फिरोजाबाद की ओर से अभिषेक यादव, विनय प्रताप और योगेश कुमार को एक-एक विकेट मिला। मैन ऑफ द मैच प्रशांत चौधरी को चुना गया।

अंपायर की भूमिका में यूपीसीए पैनल के सतेंद्र कुमार व निश्चल सिंह चहल रहे। कमेंट्री नजाकत अली व स्कोरिंग चंद्र प्रताप ने की। मैच के दौरान यूपीसीए के निदेशक व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, टूर्नामेंट संयोजक नितिन गुप्ता, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, अजीत सिंह, प्रदीप टंडन आदि मौजूद रहे।

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 5 फरवरी, 2025

डीसीए मुरादाबाद व एमडीसीए मेरठ बने विजेता

आइएफटीएम यूनिवर्सिटी में अवस्थी मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ करते आइएफटीएम यूनिवर्सिटी के चांसलर राजीव कोठीवाल और अन्य • सौ. आयोजक

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद: आइएफटीएम यूनिवर्सिटी में डीसीए मुरादाबाद एवं अवस्थी मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में अवस्थी मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हो गया। टूर्नामेंट के पहले अलग-अलग मैच में डीसीए मुरादाबाद एवं एमडीसीए मेरठ की टीम विजेता बनी।

पूर्व रणजी खिलाड़ी एवं यूपीसीए के डायरेक्टर विजय गुप्ता ने बताया कि टूर्नामेंट के पहले दिन ग्रुप ए के दो मुकाबले हुए। पहला मुकाबला डीएसए मुरादाबाद रेड और अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। डीएसए मुरादाबाद रेड ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन की टीम बल्लेबाजी करते हुए 13.5 ओवर में मात्र 84 रन बना सकी। जिसमें मुजीब मीना ने 29, माधव वशिष्ठ ने 27 रन बनाए। डीएसए मुरादाबाद रेड की ओर से कार्तिक सिद्दू ने चार, पर्व सिंह व अक्षु बाजवा ने तीन-तीन विकेट लिए। जवाबी बल्लेबाजी करते हुए डीएसए मुरादाबाद रेड ने 5.2 ओवर में बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल किया। उवैस अहमद ने 64, नयन गुप्ता ने नाबाद 17 रन बनाए। मैन आफ द मैच कार्तिक सिद्दू को चुना गया।

दूसरा मुकाबला एमडीसीए मेरठ और फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए फिरोजाब

आईएफटीईएम के विद्यार्थियों ने मुरादाबाद मंडल के पंचायत भवन में आयोजित कृषि मेला– 2025 का किया भ्रमण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बी.एससी, (ऑनर्स) कृषि के 47 विद्यार्थियों ने प्रथम दिन एवं समापन दिवस पर 45 विद्यार्थियों ने मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद में स्थित पंचायत भवन में आयोजित एग्रो क्लाइमेटिक जोन स्तरीय तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस मेले का शुभारंभ मुरादाबाद मंडल, मुरादाबाद के मंडलायुक्त श्री आंजनेय कुमार सिंह ने किया। तकनीकी ज्ञान से आत्मनिर्भर किसान विषय पर आधारित यह किसान मेला मुरादाबाद के पंचायत भवन में 26 से 29 जनवरी, 2025 तक आयोजित हुआ। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मेले में लगे विभिन्न स्टालों का भ्रमण किया एवं स्मार्ट खेती, संरक्षित खेती, कृषि, उत्पादन, कृषि स्टार्ट-अप तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में जानकारी के साथ ही विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान विषय विशेषज्ञों ने सभी किसानों एवं विद्यार्थियों को खेती से संबंधित नई-नई योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या एवं खेती के प्रति नवयुवकों के उदासीन होने के कारण भविष्य में अन्न संकट की संभावना के प्रति शंका भी व्यक्त की। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में बढ़ोतरी करने के उद्देश्य से सुप्रसिद्ध संस्थानों में आयोजित हो रहे कृषि मेलों का भ्रमण उन्हें नियमित रूप से कराया जाता है। मेला भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ए.एन. चैबे, डॉ. सुलेखा एवं डॉ. अक्षिता बिष्ट भी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 6 फरवरी, 2025

शिवम शर्मा की फिरकी में फंसी फिरोजाबाद की टीम

- शिवम ने छह विकेट चटकाकर मुरादाबाद को दिलाई जीत
- दूसरे मैच में मेरठ ने अलीगढ़ को चार विकेट से हराया

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रहे अवस्थी मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में मुरादाबाद के लिए रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा की फिरकी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फिरोजाबाद के खिलाफ छह विकेट चटकाए। जिसके दम पर टीम ने चार विकेट से जीत दर्ज करते हुए लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दूसरे मैच में मेरठ ने अलीगढ़ को चार विकेट से हराया।

पहला मैच डीएसए मुरादाबाद रेड और फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। जिसमें मुरादाबाद ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। फिरोजाबाद टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 138 रन बनाए। पीएलजी ने 42 और विश्वदीप ने 23 रन बनाए। मुरादाबाद के लिए गेंदबाजी में रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा ने छह और पर्व सिंह और कार्तिक सिद्धू ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुरादाबाद ने 14.5 ओवर में छह विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। नयन गुप्ता ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंद में पांच छक्कों और चार चौकों की मदद से नाबाद 61 और मिर्जा दानिश आलम ने 36 रन बनाए। फिरोजाबाद के लिए राहुल यादव ने दो विकेट लिए। मैन आफ द मैच शिवम शर्मा को चुना गया।

दूसरा मुकाबला एमडीसीए मेरठ और अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। टास जीतकर मेरठ ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 149 रन बनाए। टीम के लिए आयुष ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 21 बाल में पांच छक्कों की मदद से 42 व भावि शर्मा ने 21 रन बनाए। मेरठ के लिए सुनील कुमार, शिवम चौधरी और प्रशांत चौधरी ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ ने 18.4 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए प्रशांत चौधरी ने 20 गेंद में एक छक्का और चार चौकों की मदद से 34 और अंकुर मलिक ने 23 गेंद में दो छक्कों और दो चौकों की मदद से 33 रन बनाए। अलीगढ़ के लिए सार्थक और कार्तिक्य ने दो-दो विकेट लिए। मैन आफ द मैच प्रशांत चौधरी को चुना गया। मैच के दौरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, टूर्नामेंट संयोजक नितिन गुप्ता, कोच बदरूद्दीन सिद्दीकी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह, प्रदीप टंडन, खेल निर्देशक डा. वैभव त्रिवेदी, मोहम्मद हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जेपी सिंह, विपुल चौधरी आदि मौजूद रहे।

आइएफटीएम में चल रही क्रिकेट लीग में पिच पर मौजूद खिलाड़ी • सौ. आयोजक

हिन्दुस्तान www., गुरुवार, 6 फरवरी 2025 08

दूसरे दिन मेरठ ने लगातार दूसरा मैच जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया

रणजी खिलाड़ी शिवम के 6 विकेटों की बदौलत मुरादाबाद ने जीता मैच

अवस्थी क्रिकेट

मुरादाबाद, मुख्य संवाददाता। मुरादाबाद में चल रहे प्राइस मनी अवस्थी क्रिकेट टूर्नामेंट में रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा के छह विकेटों की बदौलत मुरादाबाद ने जीत दर्ज की। वहीं, दूसरे मैच में मेरठ ने जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया।

डीएसए मुरादाबाद एवम अवस्थी मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आईएफ़टीएम यूनिवर्सिटी के मैदान पर टी- 20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन ग्रुप ए के दो मुक़ाबले खेले गए। पहले मैच में फिरोजाबाद की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 138 रन बनाए। पीएलजी ने 42 व विश्वदीप ने 23 रन बनाए। मुरादाबाद रेड की ओर से खेल रहे रणजी खिलाड़ी शिवम् शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 खिलाड़ियों को अपना शिकार बनाया। वह मैन ऑफ द मैच भी बने।

प्रशांत चौधरी मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते अतिथि। • हिन्दुस्तान

इसके बाद मुरादाबाद की टीम महज 14.5 ओवर में 6 विकेट खोकर जीत गई। नयन गुप्ता ने नाबाद अर्धशतक (61) रन व मिर्जा दानिश आलम ने 36 रन रन बनाए। फिरोजाबाद की ओर से राहुल यादव ने 2 विकेट लिए। दूसरे मैच में अलीगढ़ ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 149 रन बनाए। आयुष ने 42 व भव्य शर्मा ने 21 रन बनाए। मेरठ के सुनील कुमार, शिवम् चौधरी और प्रशांत चौधरी ने 2-2 विकेट लिए। मेरठ ने 18.4 ओवर में 6 विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रशांत चौधरी ने 34 व अंकुर मलिक ने 33 रन बनाए। अलीगढ़ से सार्थक वा कार्तिकेय ने 2-2 विकेट लिए। प्रशांत चौधरी मैन ऑफ द मैच रहे। पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, टूर्नामेंट सयोजक नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह आदि मौजद रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 6 फरवरी 2025
7

शिवम के 'छक्के' से मुरादाबाद की दूसरी जीत

फिरोजाबाद को चार विकेट से हराया, रणजी खिलाड़ी शिवम ने झटके छह विकेट, मेरठ ने अलीगढ़ को दी शिकस्त

city sports

क्रिकेट मैच में शॉट लगाता बल्लेबाज। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अँवस्थी मेमोरियल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को डीएसए रेड मुरादाबाद और मेरठ की टीम ने अपने-अपने मैच जीते।

आईएफटीएम मैदान पर खेली जा रही प्रतियोगिता में मुरादाबाद की जीत में रणजी खिलाड़ी लेग स्पिनर शिवम शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने छह विकेट लिए।

बुधवार को दूसरे दिन फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 138 रन बनाए। टीम की ओर से पीएलजी ने 42 और विश्वदीप ने 23 रन की पारी खेली। मुरादाबाद रेड के लिए शिवम शर्मा ने छह, पर्व सिंह और कार्तिक सिद्धू ने एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुरादाबाद की टीम ने 14.5 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम की ओर से नयन गुप्ता ने 31 गेंदों पर पांच चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 61 और मिर्जा दानिश आलम ने 36 रन की पारी खेली। फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज राहुल यादव ने दो विकेट हासिल किए। मुरादाबाद को चार विकेट से जीत मिली और शिवम वर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मंगलवार को खेले गए पहले मैच में मुरादाबाद ने अलीगढ़ को हराया था।

बुधवार को दूसरे मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 149 रन बनाए। टीम के लिए आयुष ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर पांच छक्कों की मदद से 42 और भावी शर्मा ने 21 रन बनाए। मेरठ क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज सुनील कुमार, शिवम चौधरी और प्रशांत चौधरी ने दो-दो विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ की टीम ने 18.4 ओवर में ही छह विकेट खोकर चार विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। टीम के लिए प्रशांत चौधरी ने 20 गेंदों पर 34 और अंकुर मलिक ने 23 गेंदों पर 33 रन बनाए। अलीगढ़ के गेंदबाज सार्थक चेची और कार्तिकेय वार्ष्णेय ने दो-दो विकेट हासिल किए। प्रशांत चौधरी को हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इस मौके पर डीएसए के सचिव विजय गुप्ता, संयोजक नितिन गुप्ता, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह, प्रदीप टंडन, खेल निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी, मो. हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जेपी सिंह और विपुल चौधरी समेत कई लोग मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
शुक्रवार
7 फरवरी 2025
07

दानिश की बदौलत मुरादाबाद ने लगातार तीसरा मैच जीता

अवस्थी क्रिकेट टूर्नामिंट में फिरोजाबाद ने अलीगढ़ की टीम को दी शिकस्त

क्रिकेट

दानिश आलम को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार देते रणजी खिलाड़ी अजित सिंह व अन्य।

मुरादाबाद, मुख्य संवाददाता। अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट में मुरादाबाद ने दानिश आलम और शिवम शर्मा की तोबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मुरादाबाद ने मेरठ को हराया और फिरोजाबाद ने अलीगढ़ की टीम को हराया।

आईएफटीएम के मैदान पर डीएसए मुरादाबाद और अवस्थी मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में क्रिकेट टूर्नामिंट आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार को पहले मैच में अलीगढ़ ने 16.4 ओवर में 120 रन बनाए। माधव वशिष्ठ ने 36 व भावि शर्मा ने 32 रन बनाए। फिरोजाबाद की ओर से गेंदबाजी में में शोएब क़ुरैशी ने 3 व हमज़ा, राहुल यादव और वक़ास अहमद ने 2-2 विकेट लिए। फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन बीसवें ओवर में 6 विकेट खोकर मैच जीता। विश्वदीप ने 51 रन बनाए। अलीगढ़ से सार्थक चेची और भावि शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच विश्वदीप बने। दूसरे मैच में मुरादाबाद रेड 220 रन बनाए।

मिर्जा दानिश आलम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंद पर 116 रन और रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा ने 28 बाल पर 50 रनों की धुआंधार पारी खेली। दानिश ने छह छक्के और 12 चौके लगाए। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। मेरठ के कार्तिक ने 3 व समीर चौधरी ने 2 विकेट लिए। जवाब में मेरठ की टीम 150 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मेरठ के सत्यम ने 68 व समीर चौधरी ने 24 रन बनाए। मुरादाबाद से अक्षु बाजवा और मोहम्मद शोएब ने 3-3 व पर्व सिंह ने 2 विकेट लिए।

यूपीसीए के निदेशक पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, टूर्नामिंट सयोजक नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह, प्रदीप टंडन, नज़ाकत अली, डॉ वैभव त्रिवेदी, मोहम्मद हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जे पी सिंह, विपुल चौधरी आदि रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शुक्रवार, 7 फरवरी 2025
7

मिर्जा दानिश के शतक से मुरादाबाद ने लगाई जीत की हैट्रिक

अवस्थी मेमोरियल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में विश्वदीप ने दिलाई फिरोजाबाद को जीत, अलीगढ़ और मेरठ को मिली हार

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित अवस्थी मेमोरियल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बृहस्पतिवार को डीएसए मुरादाबाद रेड और फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने-अपने मैच जीत लिए। आईएफटीएम विश्वविद्यालय मैदान पर खेली जा रही प्रतियोगिता में मुरादाबाद की जीत में मिर्जा दानिश आलम और शिवम वर्मा ने अहम भूमिका निभाई।

टूर्नामेंट के तीसरे दिन पहला मैच फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन और अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। टीम 16.4 ओवर में 120 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। टीम के लिए माधव वशिष्ठ ने 36, भावी शर्मा ने 32 रन बनाए। फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज शोएब कुरैशी ने तीन, हमजा, राहुल यादव और वकास अहमद ने दो-दो विकेट हासिल किए।

आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम। स्रोत : आयोजक

जवाब में फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने 19.1 ओवर में ही छह विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम के लिए विश्वदीप ने 51, रोहन पीएलजी ने 28 रन बनाए। अलीगढ़ के गेंदबाज सार्थक चेची और भावी शर्मा ने एक-एक विकेट प्राप्त किए। विश्वदीप को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी डीएसए मुरादाबाद रेड ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 220 रन बनाए। टीम के लिए मिर्जा दानिश आलम ने 60 गेंदों पर छह छक्के और 12 चौकों की मदद से 116 रन बनाए।

वहीं शिवम वर्मा ने भी 28 गेंदों पर 52 रन की बेहतरीन पारी खेलकर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

एमडीसीए मेरठ के गेंदबाज कार्तिक ने तीन और समीर चौधरी ने दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमडीसीए मेरठ की टीम 150 रन पर ही ढेर हो गई। टीम के लिए सत्यम संगू ने 43 गेंदों पर पांच छक्के और चार चौके की मदद से 68 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, लेकिन टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। साथ ही समीर चौधरी ने भी 24 रन बनाए। डीएसए मुरादाबाद रेड के गेंदबाज अक्षु बाजवा और मो. शोएब ने तीन-तीन विकेट हासिल किए।

मिर्जा दानिश आलम को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस मौके पर डीएसए सचिव विजय गुप्ता, टूर्नामेंट संयोजक नितिन गुप्ता, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह, प्रदीप टंडन, नजाकत अली, खेल निदेशक डॉ. वैभव त्रिवेदी, मो. हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जेपी सिंह और विपुल चौधरी समेत कई लोग मौजूद रहे।

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 7 फरवरी, 2025

प्रियम का नहीं चला बल्ला, मेरठ की हार

अवस्थी मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में मेजबानों ने 48 रनों से जीता मैच

- अलीगढ़ टीम को 48 रनों से मिली करारी हार, मुरादाबाद के लिए दानिश ने लगाया शतक
- फिरोजाबाद ने गेंदबाजों के दम पर अलीगढ़ को चार विकेट से हराया

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रही क्रिकेट लीग में आइपीएल स्टार और मेरठ टीम के कप्तान प्रियम गर्ग का बल्ला नहीं चल सका। मुरादाबाद के गेंदबाजों के सामने उन्होंने अपना विकेट जल्द गवां दिया। जिस वजह से उनकी टीम को मुरादाबाद के खिलाफ 48 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। मुरादाबाद के लिए मिर्जा दानिश आलम ने शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं अन्य मैच में फिरोजाबाद ने गेंदबाजों के दम पर अलीगढ़ को चार विकेट से हराया।

गुरुवार को मुरादाबाद टीम का सामना आइपीएल स्टार कप्तान प्रियम गर्ग की टीम मेरठ से हुआ। जिसमें मुरादाबाद ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 220 रन बनाए। टीम के लिए मिर्जा दानिश आलम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंद में 6 छक्कों और 12 चौकों की मदद से 116 रनों का पारी खेली। वहीं रणजी खिलाड़ी शिवम शर्मा ने 28 गेंद पर 52 रनों की पारी खेली। मेरठ के लिए कार्तिक ने तीन व समीर चौधरी ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ टीम 150 रनों पर सिमट गई। सबसे ज्यादा निराश टीम के कप्तान प्रियम ने किया। जो 15 गेंद पर सिर्फ 23 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं टीम के लिए सत्यम ने 43 गेंद पर 68 रन बनाए। मुरादाबाद के लिए अक्षु बाजवा और मोहम्मद शुएब ने तीन-तीन व पर्व सिंह ने दो विकेट लिया।

मुरादाबाद ने यह मैच 48 रन से जीत लिया। मैन आफ द मैच मिर्जा दानिश आलम रहे। इससे पहले पहला मैच अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन और फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के बीच खेला गया। जिसमें टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अलीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन 16.4 ओवर में 120 रन बनाकर आल आउट हो गई। टीम के लिए माधव वशिष्ठ ने 36 और भावि शर्मा ने 32 रन बनाए। फिरोजाबाद के लिए गेंदबाजी में शोएब कुरैशी ने तीन, हमजा, राहुल यादव और अहमद ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने 19.1 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए विश्वदीप ने 51 और रोहन ने 28 रन बनाए। अलीगढ़ के लिए गेंदबाजी में सार्थक और भावि शर्मा को एक-एक विकेट मिला। इस तरह यह मुकाबला फिरोजाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने चार विकेट से जीत लिया। मैन आफ द मैच विश्वदीप को चुना गया। डीएसए सचिव विजय गुप्ता, टूर्नामेंट सयोंजक नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीकी, रणजी खिलाड़ी अजीत सिंह, प्रदीप टंडन, डीएसए मेम्बर नजाकत अली, खेल निर्देशक डा. वैभव त्रिवेदी, मोहम्मद हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जेपी सिंह, विपुल चौधरी आदि मौजूद रहे।

मैन ऑफ द मैच मिर्जा दानिश आलम को सम्मानित करते अतिथि • सौ. आयोजक

आईएफटीएम में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां विषय पर

फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक संपन्न

विधान केसरी सामवार

◆ 3 फरवरी से 7 फरवरी तक चला एफडीपी कार्यक्रम

◆ शिक्षकों को अपडेट रखने को एफडीपी जरूरीः डॉ नवनीत

मुरादाबाद। आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ साइंसेज एवं इस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान मेंवैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शीर्षक पर 3 फरवरी से 7 फरवरी तक चले एफडीपी का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों एवं ऑर्गेनाईजिंग टीम को बधाई देते हुए भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम आयोजित करते रहने की सलाह दी। प्रतिकुलपति-एक्टनर्ल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने भी एफडीपी की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों को निरंतर अपडेट रखने में एफडीपी का अत्यंत महत्व होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस एफडीपी में रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, जीव विज्ञान के साथ गणित के विषय-विशेषज्ञों ने अपने-अपने व्याख्यान दिए, जिससे विज्ञान के विविध क्षेत्रों में आपसी तालमेल से शोध में सहायता मिलेगी। स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि वक्ताओं द्वारा कार्यक्रम के प्रथम दिन किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रख्यात वक्ता प्रो. रूपेश कुमार गुप्ता ने हमारी पुरानी संस्कृति और नई संस्कृति के बारे में जानकारी दी। दूसरे दिन किरोड़ीमल कॉलेज की वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. रजनी गुप्ता ने मशरूम की खेती और मशरूम की किस्मों के बारे में बताया। तीसरे दिन सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ के भौतिकी विभाग के प्रो. बीर पाल सिंह ने नैनोमटेरियल और नैनोटेक्नोलॉजीज पर अपना व्याख्यान दिया। दूसरे सत्र में तीसरे दिन एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद के गणित विभाग के प्रो. नागेंद्र कुमार ने सौर गतिविधियों में अनुप्रयोगों के साथ मैग्नेटोहाइड्रो-डायनामिक्स और प्लाज्मा-डायनामिक्स विषय की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। चैथे दिन डॉ. दीपक मेंदीरत्ता ने कृषि में व्यवसाय के अवसरों पर एक व्याख्यान दिया। पांचवें दिन वर्धमान पीजी कॉलेज के प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. नीरज कुमार ने मानव जीवन के लिए कीटों के महत्व पर अपनी बात रखी।

इस मौके पर आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि इस एफडीपी के दौरान 6 तकनीकी सत्रों में विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने बताया कि इस एफडीपी में आयोजित सभी सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान पर मौलिक और उन्नत ज्ञान प्राप्त किया। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस एफडीपी के फलस्वरूप प्रतिभागियों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी प्रेरित करने में मदद मिलेगी और विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के अवसरों में भी वृद्धि होगी। स्कूल ऑफ साइंसेज के वरिष्ठ प्रो. एस.डी. शर्मा एवं प्रो. वी.पी.पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. अतानु नाग, सह संयोजक डॉ. अशोक कुमार, आयोजन सचिव डॉ. तृप्ति पाण्डेय समेत स्कूल ऑफ सांइसेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण आदि का विशेष सहयोग रहा। इस एफडीपी में 100 से अधिक फैकल्टी मैम्बर्स ने प्रतिभाग किया।

IV दैनिक जागरण मुरादाबाद, 9 फरवरी, 2025

लखनऊ एवं डीएसए ब्लू टीम ने जीता मुकाबला

- टूर्नामेंट के पांचवें दिन ग्रुप बी में खेले गए दो मुकाबले
- आइएफटीएम यूनिवर्सिटी में चल रही प्राइज मनी क्रिकेट प्रतियोगिता

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : आइएफटीएम यूनिवर्सिटी में चल रहे अवस्थी मेमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन ग्रुप बी के दो मुकाबले हुए। जिसमें पहला मैच जिला स्पोर्ट्स क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ और दूसरा मैच डीएसए मुरादाबाद ब्लू टीम ने जीता।

पूर्व रणजी खिलाड़ी एवं यूपीसीए के डायरेक्टर विजय गुप्ता ने बताया कि शनिवार को पहले मुकाबले में क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 158 रन बनाए। जिसमें प्रियांशु पांडे ने 53, कृतज्ञा कुमार ने 24 रन बनाए। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज आदित्य दीक्षित और रौनक सिंह ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की टीम 19.1 ओवर में 131 रनों पर सिमट गई। जिसमें राहुल सिंह ने 34, ब्रजेंद्र ने 31 रन बनाए। लखनऊ टीम की ओर से गेंदबाजी करते हुए हसन अख्तर ने चार, रोहित द्विवेदी ने तीन विकेट झटके। यह मैच क्रिकेट एसोसिशन लखनऊ ने 27 रन से जीत लिया। मैन आफ द मैच हसन अख्तर को चुना गया।

दूसरा मैच डीएसए मुरादाबाद ब्लू और जिला क्रिकेट एसोसिएशन लखीमपुर खीरी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएसए मुरादाबाद ब्लू की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट खोकर 240 रन बनाए। जिसमें मोहम्मद उस्मान ने 86, प्रियांशु गौतम ने 52, सिद्धार्थ चौधरी ने 34 रन बनाए। लखीमपुर खीरी की ओर से गेंदबाजी करते हुए देवा पटेल और सूरज वर्मा ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में लखीमपुर खीरी की टीम 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 90 रन ही बना सकी। जिसमें देवा पटेल ने 17 रन बनाए। डीएसए मुरादाबाद के गेंदबाज प्रियांशु गौतम ने चार, गौरव डागर ने तीन और हर्षित विश्नोई ने दो विकेट झटके। यह मुकाबला डीएसए मुरादाबाद ब्लू ने 150 रन से जीता। मैन आफ द मैच प्रियांशु गौतम बने। टूर्नामेंट संयोजक नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीकी, नजाकत अली, खेल निदेशक डा. वैभव त्रिवेदी, मोहम्मद हसीन, कपिल गिल, देश दीपक, जेपी सिंह, विपुल चौधरी आदि मौजूद रहे।

अवस्थी मेमोरियल टी-20 मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ी • सौ.एसोसिएशन

पेज से संबंधित खबरें https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_moradabad-city-news-hindi.html पर भी पढ़ सकते हैं।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | रविवार, 9 फरवरी 2025
9

क्रिकेट में मुरादाबाद और लखनऊ जीता

आईएफटीएम विवि के मैदान पर खेली जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खेली जा रही अवस्थी मेमोरियल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में मुरादाबाद और लखनऊ की टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

शनिवार को खेले गए मैच में मुरादाबाद ब्लू की टीम ने लखीमपुर खीरी को 150 रन और लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन ने कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन को 27 रन के अंतर से हराया। आईएफटीएम विश्वविद्यालय मैदान पर खेले गए पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 158 रन बनाए। टीम के लिए प्रियांशु पांडेय ने 53 और कृतज्ञ कुमार ने 24 रन की पारी खेली। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज आदित्य दीक्षित और रौनक सिंह ने दो-दो विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन की टीम 19.1 ओवर में 131 रन पर ही ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से राहुल सिंह ने 34 और बृजेंद्र ने 31 रनों की पारी खेली। लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन के गेंदबाज हसन अख्तर ने चार और रोहित द्विवेदी ने तीन विकेट हासिल किए। हसन अख्तर को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मैच लखीमपुर खीरी क्रिकेट एसोसिएशन और डीएसए मुरादाबाद ब्लू के बीच खेला गया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी मुरादाबाद ब्लू की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट खोकर 240 रन बनाए। टीम के लिए उस्मान ने 86, प्रियांशु गौतम ने 52 और सिद्धार्थ चौधरी ने 34 रन बनाए।

आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता टीम। स्रोत : आयोजक

मैन ऑफ द मैच चुने गए प्रियांशु गौतम

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखीमपुर क्रिकेट एसोसिएशन की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 90 रन ही बना सकी। टीम के लिए देवा पटेल ने सर्वाधिक 17 रन की पारी खेली। मुरादाबाद ब्लू के गेंदबाज प्रियांशु गौतम ने चार, गौरव डागर ने तीन और हर्षित विश्नोई ने दो विकेट हासिल किए। प्रियांशु गौतम को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
रविवार
9 फरवरी 2025
07

अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स क्रिकेट एसोसिशन ने जीता मैच

मुरादाबाद। आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में अवस्थी मैमोरियल टी-20 प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन शनिवार को ग्रुप बी के दो मुकाबले खेले गए।

पहला मुक़ाबला में डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स क्रिकेट एसोसिशन लखनऊ ने व दूसरे मैच में डीएसए मुरादाबाद ब्लू ने जीत हासिल की। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फ़ैसला किया। क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 158 रन। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीकेसीए कानपुर की टीम 19.1 ओवर में 131 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दूसरा मुक़ाबला डीएसए मुरादाबाद ब्लू और ज़िला क्रिकेट एसोसिएशन लखीमपुर खीरी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए डीएसए मुरादाबाद ब्लू की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 240 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए क्रिकेट एसोसिएशन लखीमपुर खीरी निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 90 रन ही बना सकी। मैन ऑफ़ द मैच प्रियांशु गौतम को चुना गया।

क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान मैन ऑफ द मैच को सम्मानित करते कोच।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग- इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र का हुआ सफल समापन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग- इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अभिनव विचारों को नवाचार में बदलने के लिए प्रेरित करना व गंभीर विषयों पर रचनात्मक तरीके से सोचने की कला में उनका मार्गदर्शन करना रहा। सत्र के पहले दिन जीएस ओवरसीज, मुरादाबाद के संस्थापक व एमडी श्री गौरव रस्तोगी ने वक्ता के तौर पर विद्यार्थी प्रतिभागियों को ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझना, प्रोटोटाइप बनाना और नवाचार उत्पाद बनाने के लिए परीक्षण करने आदि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने व्यवसाय संचालन में समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता पर भी चर्चा की। दूसरे दिन मिस्टर जिनी के संस्थापक श्री अमन फारूकी ने जानकारी का मूल्यांकन करने, तार्किक संबंध बनाने और अच्छी तरह से तर्कसंगत तर्क विकसित करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन बनाने और मौजूदा उत्पादों या सेवाओं में सुधार करने के महत्व पर भी विस्तार के साथ जानकारी उपलब्ध कराई।

इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सोचने की प्रक्रिया को समझने और उसके सुधार के तरीकों को सीखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजनों से छात्र-छात्राओं को सामने आने वाली समस्याओं के समाधान खोजने और नए विचारों को विकसित करने में बहुत मदद मिलती है। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम अपने विद्यार्थियों को उद्योग जगत के प्रख्यात विशेषज्ञों से सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हमारे प्रयासों का प्रमाण है। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के परिणाम पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईसी और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के बीच सहयोग एक बार फिर फलदायी साबित हुआ है। हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना कटारिया ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव, आईआईसी के समन्वयक डॉ. अतानु नाग एवं आयोजन सचिव डॉ. आरती गर्ग समेत डॉ. आशीष कुमार सक्सेना, डॉ. मेघा भाटिया, डॉ. हिमाशू गुप्ता, अक्षय शर्मा, ज्योति सिंह, मोनिका चौहान का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ। इस दो दिवसीय सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम में डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग- इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र का हुआ सफल समापन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग-इनोवेशन डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अभिनव विचारों को नवाचार में बदलने के लिए प्रेरित करना व गंभीर विषयों पर रचनात्मक तरीके से सोचने की कला में उनका मार्गदर्शन करना रहा। सत्र के पहले दिन जीएस ओवरसीज, मुरादाबाद के संस्थापक व एमडी गौरव रस्तोगी ने वक्ता के तौर पर विद्यार्थी प्रतिभागियों को ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझना, प्रोटोटाइप बनाना और नवाचार उत्पाद बनाने के लिए परीक्षण करने आदि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने व्यवसाय संचालन में समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता पर भी चर्चा की। दूसरे दिन मिस्टर जिनी के संस्थापक श्री अमन फारूकी ने जानकारी का मूल्यांकन करने, तार्किक संबंध बनाने और अच्छी तरह से तर्कसंगत तर्क विकसित करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन बनाने और मौजूदा उत्पादों या सेवाओं में सुधार करने के महत्व पर भी विस्तार के साथ जानकारी उपलब्ध कराई। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सोचने की प्रक्रिया को समझने और उसके सुधार के तरीकों को सीखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजनों से छात्र-छात्राओं को सामने आने वाली समस्याओं के समाधान खोजने और नए विचारों को विकसित करने में बहुत मदद मिलती है।

स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम अपने विद्यार्थियों को उद्योग जगत के प्रख्यात विशेषज्ञों से सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हमारे प्रयासों का प्रमाण है। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के परिणाम पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईसी और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के बीच सहयोग एक बार फिर फलदायी साबित हुआ है।

हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना कटारिया ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव, आईआईसी के समन्वयक डॉ. अतानु नाग एवं आयोजन सचिव डॉ. आरती गर्ग समेत डॉ. आशीष कुमार सक्सेना, डॉ. मेघा भाटिया, डॉ. हिमाशू गुप्ता, श्री अक्षय शर्मा, सुश्री ज्योति सिंह, सुश्री मोनिका चैहान का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ। इस दो दिवसीय सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ विषय पर हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की ओर से कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रेरणादायक वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एआई से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को इन उभरती तकनीकों की समझ और प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालयों और संस्थानों को अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि युवा इन नई प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखते हैं, तो वे भविष्य में उच्च तकनीकी क्षेत्रों में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के प्रो. एस.एस. बेदी ने विद्यार्थी प्रतिभागियों को कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में बढ़ रही प्रवृत्तियों के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी। उन्होंने

यह भी बताया कि एआई कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए नौकरी प्राप्त करने का नया क्षेत्र है। डॉ. बेदी ने एआई के विभिन्न उपकरणों जैसे चैटजीपीटी, कोपायलट, नोटबुकएलएम आदि पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन सहायक उपकरणों का उपयोग करके हम अपनी तकनीकी समस्याओं को हल कर सकते हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा भी दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में हो रहे इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल तकनीकी उन्नति है, बल्कि इनके माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयास करते रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. मिश्रा ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों ने कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों से न केवल विभिन्न उद्योगों में क्रांति आई है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और सरकारी योजनाओं में भी जबरदस्त सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि आजकल डेटा को समझने और उसका विश्लेषण करने की क्षमता सबसे बड़ी शक्ति बन गई है। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के माध्यम से हम बड़े पैमाने पर डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी निकाल सकते हैं, जो निर्णय लेने में सहायक सिद्ध हो रही है। साथ ही प्रो. मिश्रा ने साइबर सुरक्षा की अहमियत पर भी जोर देते हुए कहा कि बढ़ते साइबर खतरों के बीच इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने एआई, समय प्रबंधन और संचार कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक व कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह, आयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन श्री हरप्रीत सिंह चावला ने किया। इस मौके पर डॉ.अभिषेक मिश्रा, डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, श्री मुनीश कुमार, श्रीमती अनुराग, श्री भूपेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 110 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में 'कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियां' विषय पर हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की ओर से ''कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ'' विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रेरणादायक वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एआई से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को इन उभरती तकनीकों की समझ और प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालयों और संस्थानों को अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि युवा इन नई प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखते हैं, तो वे भविष्य में उच्च तकनीकी क्षेत्रों में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के प्रो. एस.एस. बेदी ने विद्यार्थी प्रतिभागियों को कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में बढ़ रही प्रवृत्तियों के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि एआई कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए नौकरी प्राप्त करने का नया क्षेत्र है। डॉ. बेदी ने एआई के विभिन्न उपकरणों जैसे चौटजीपीटी, कोपायलट, नोटबुकएलएम आदि पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन सहायक उपकरणों का उपयोग करके हम अपनी तकनीकी समस्याओं को हल कर सकते हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और प्रायोगिक गति. विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा भी दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में हो रहे इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल तकनीकी उन्नति है, बल्कि इनके माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाना भी है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयास करते रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. मिश्रा ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों ने कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों से न केवल विभिन्न उद्योगों में क्रांति आई है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और सरकारी योजनाओं में भी जबरदस्त सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि आजकल डेटा को समझने और उसका विश्लेषण करने की क्षमता सबसे बड़ी शक्ति बन गई है। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के माध्यम से हम बड़े पैमाने पर डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी निकाल सकते हैं, जो निर्णय लेने में सहायक सिद्ध हो रही है। साथ ही प्रो. मिश्रा ने साइबर सुरक्षा की अहमियत पर भी जोर देते हुए कहा कि बढ़ते साइबर खतरों के बीच इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने एआई, समय प्रबंधन और संचार कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक व कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह, आयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन श्री हरप्रीत सिंह चावला ने किया। इस मौके पर डॉ.. अभिषेक मिश्रा, डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, श्री मुनीश कुमार, श्रीमती अनुराग, श्री भूपेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 110 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ विषय पर हुआ विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की ओर से कंप्यूटर विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रेरणादायक वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एआई से शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को इन उभरती तकनीकों की समझ और प्रशिक्षण देने के लिए विश्वविद्यालयों और संस्थानों को अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि युवा इन नई प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखते हैं, तो वे भविष्य में उच्च तकनीकी क्षेत्रों में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के प्रो. एस.एस. बेदी ने विद्यार्थी प्रतिभागियों को कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में बढ़ रही प्रवृत्तियों के बारे में विस्तार के साथ जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि एआई कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थियों के लिए नौकरी प्राप्त करने का नया क्षेत्र है। डॉ. बेदी ने एआई के विभिन्न उपकरणों जैसे चैटजीपीटी, कोपायलट, नोटबुकएलएम आदि पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन सहायक उपकरणों का उपयोग करके हम अपनी तकनीकी समस्याओं को हल कर सकते हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा भी दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में हो रहे इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल तकनीकी उन्नति है, बल्कि इनके माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाना भी है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक डॉ. राहुल कुमार मिश्रा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयास करते रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. मिश्रा ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों ने कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा दी है। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों से न केवल विभिन्न उद्योगों में क्रांति आई है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और सरकारी योजनाओं में भी जबरदस्त सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि आजकल डेटा को समझने और उसका विश्लेषण करने की क्षमता सबसे बड़ी शक्ति बन गई है। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के माध्यम से हम बड़े पैमाने पर डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी निकाल सकते हैं, जो निर्णय लेने में सहायक सिद्ध हो रही है। साथ ही प्रो. मिश्रा ने साइबर सुरक्षा की अहमियत पर भी जोर देते हुए कहा कि बढ़ते साइबर खतरों के बीच इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने एआई, समय प्रबंधन और संचार कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक व कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह, आयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन श्री हरप्रीत सिंह चावला ने किया। इस मौके पर डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, मुनीश कुमार, श्रीमती अनुराग, भूपेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 110 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि0

अमर उजाला

मुरादाबाद | बुधवार, 12 फरवरी 2025 | 6

आईएफटीएम विवि और यूजीसी एमएमटीटीसी में करार

मुरादाबाद (वि)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय और जय नारायण यूनिवर्सिटी, जोधपुर के यूजीसी-एमएमटीटीसी के बीच शिक्षण और शोध को बढ़ावा देने के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने के लिए इस तरह के करार अति आवश्यक हैं। वहीं यूजीसी-एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कहा कि हमें आईएफटीएम विवि के साथ समझौते पर प्रसन्नता हो रही है। विवि प्रबंधन शिक्षकों और विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन में प्रयत्नशील है। इस अवसर पर प्रति-कुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने भ विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा शर्मा ने किया।

क्रिकेट : मुरादाबाद ब्लू ने लखनऊ को हराकर जीती ट्रॉफी

अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामिंट का फाइनल मुकाबला रहा रोचक, शिवा ने 28 गेंदों में बनाए 52 रन, विजेता टीम को मिले एक लाख रुपये

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामिंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में मुरादाबाद ब्लू ने लखनऊ को दो विकेट से मात देकर विजेता ट्रॉफी कब्जाई। लखनऊ टीम की नवाबी पर मुरादाबाद के शिवा सिंह की पारी भारी पड़ी। उनके शानदार अर्ध शतक की बदौलत टीम ने विजेता का खिताब पाया। साथ ही एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी जीता।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मैदान में खेले गए मैच में मुरादाबाद ब्लू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। लखनऊ क्रिकेट एसोसिएशन की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 170 रन बनाए। लखनऊ के लिए सत्यम पांडे ने 44 व रिजूल पटेल ने 43 रनों की अच्छी पारी खेलीं। आयुष पांडे ने नाबाद 21 रन बनाए। मुरादाबाद ब्लू के लिए गेंदबाजी में मिर्जा इंतजार बेग, हर्षित विश्नोई और शिवा सिंह ने दो-दो विकेट लिए।

171 रन क लक्ष्य की पीछा करने उतरी मुरादाबाद ब्लू की शुरुआत ही विजेताओं वाली रही। इंडिया की अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे शिवा सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। 28 गेंदों में पांच छक्कों और दो चौकों की मदद से नाबाद 52 रन बनाए। सिद्धार्थ चौधरी ने 34 व मोहम्मद उस्मान ने 22 रन का योगदान किया। लखनऊ की ओर से गेंदबाजी में हसन अख्वर, आतिफ साजिद और सत्यम पांडे ने दो-दो विकेट लिए। आखिरी ओवर में दो विकेट शेष रहते मुरादाबाद ब्लू ने मैच और विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। मैन ऑफ द मैच शिवा सिंह को चुना गया।

मुख्य अतिथि नगर विधायक रितेश गुप्ता और आईएफटीएम विश्वविद्यालय के चांसलर राजीव कोठीवाल ने विजेता टीम व उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। चमचमाती ट्रॉफियों के साथ विजेता मुरादाबाद ब्लू को एक लाख व उपविजेता लखनऊ को 50 हजार रुपये की धनराशि पुरस्कार स्वरूप दी गई। इस मौके पर यूपीसीए के निदेशक व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, टूर्नामिंट संयोजक नितिन गुप्ता, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

अवस्थी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामिंट की विजेता टीम। अमर उजाला

इनका प्रदर्शन भी रहा सराहनीय

- प्लेयर ऑफ द टूर्नामिंट - मो. उस्मान (5 मैच - 273 रन व 5 विकेट)
- सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज - हसन अख्तर (5 मैच - 12 विकेट)
- सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज - मो. उस्मान (5 मैच - 273 रन)

आईएफटीएम में मनाया गया राष्ट्रीय महिला दिवस- 2025

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब की ओर से राष्ट्रीय महिला दिवस- 2025 मनाए जाने के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण शीर्षक पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से समाज भी मजबूत होता है। जब महिलायें सशक्त होती हैं तो वे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाती हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है। उन्होने यह भी कहा कि महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक अवसरों, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक जीवन में समान अधिकार और अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। सत्र की मुख्य वक्ता व होटल मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मेघा भाटिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को चाहिए कि वह समाज में पुरुषों की बराबरी एवं उनका पूरक होने का अपना उचित स्थान प्राप्त करने के आधार पर समाज में संतुलन कायम हो पाएगा। साथ ही उन्होंने भारतीय समाज में पुरुषों को महिलाओं के कानूनी अधिकारों को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त डॉ. भाटिया ने छात्राओं द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों एवं दुविधाओं का निवारण भी किया। इस मौके पर गर्ल्स हैल्थ क्लब की अध्यक्षा प्रो. निशा अग्रवाल ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज व देश के लिए एक महिला उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितना कि एक पुरुष। प्राचीन काल से लेकर अब तक महिलाओं ने अपने प्रयत्नों एवं परिश्रम से समाज में अहम भूमिका निभाई है, जबकि इनका यह प्रयास एवं श्रम हमेशा ही अनदेखा रहा है एवं उनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। सत्र का संचालन गर्ल्स हैल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय के किया। सत्र के सफल समापन में डॉ. स्वाति राय एवं डॉ. आरती गर्ग समेत अन्य कई फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशकगणों एवं विभागाध्यक्षों समेत 50 से अधिक छात्राएं उपस्थित रहीं।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाध्याय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाध्याय द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक का हुआ विमोचन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फामेर्सी संकाय की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाध्याय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाध्याय द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक एन ओवरव्यू ऑन द हर्बल ट्रीटमेंट ऑफ वायरल डिसीसिसह्व का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पाण्डेय ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और शोधार्थियों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने भी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक लेखन हेतु उक्त दोनों शिक्षकों की सराहना की। वहीं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी व प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने भी दोनों शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए आशा व्यक्त की कि इससे अन्य शिक्षक भी पुस्तक लेखन हेतु प्रेरित होंगे।

पुस्तक की लेखिका डॉ. सुकीर्ति ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन कैंब्रिज स्कॉलर पब्लिशर, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा किया गया है। इस पुस्तक में विषाणु द्वारा जनित विभिन्न बीमारियों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न औषधीय का प्रशांत को 18 वर्ष का अनुभव लंबा अनुभव होने के साथ ही दोनों शिक्षक विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला एवं संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुके हैं। डॉ. सुकीर्ति के निर्देशन में 02

वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है। डॉ. सुकीर्ति ने जानकारी दी कि इस पुस्तक में विषाणु जनित व्याधियों जैसे कॉविड-19, मेनिनजाइटिस, एड्स, डेंगू इत्यादि व्याधियों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली वन औषधियां का भी वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 59 पाउंड मूल्य की यह पुस्तक देश-विदेश में अमेजॉन, फ्लिपकार्ट द्वारा उपलब्ध होगी। फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सुकीर्ति को 16 वर्ष का तथा डॉ. शोधार्थी एवं डॉ. प्रशांत के निर्देशन में 06 शोधार्थी सफलतापूर्वक अपना शोधकार्य पूर्ण कर चुके हैं, वहीं वर्तमान में डॉ. सुकीर्ति के निर्देशन में 08 एवं डॉ. प्रशांत के निर्देशन में 06 शोधार्थी शोधकार्य कर रहे हैं। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार व अन्य शिक्षकों ने भी दोनों शिक्षकों को बधाई दी है। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखी पुस्तक पर्सनल फाइनेंस एंड प्लानिंग का हुआ विमोचन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट के शिक्षकों मिस. शैफाली अग्रवाल, डॉ. अर्चना, डॉ. संजय कुमार सिंह एवं मिस. ज्योति द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक पर्सनल फाइनेंस एंड प्लानिंग का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने उक्त सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तक लेखन एक श्रेष्ठ कार्य है। पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थियों और पाठकों को युगों-युगों तक मार्गदर्शन मिलता है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने उक्त सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। पुस्तक की लेखिका मिस. शैफाली अग्रवाल ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन कल्याणपुर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश प्रकाशन बुक रिवर द्वारा किया गया है। 400/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में वित्तीय नियोजन के उद्देश्य, वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के तरीके, और अचानक आने वाली वित्तीय परेशानियों से निपटने के उपाय बताए गए है। उन्होंने जानकारी दी कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी सभी लेखकों को बधाई दी। वि0

विधान केसरी मुरादा

आईएफटीएम की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाध्याय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाध्याय द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फामेर्सी संकाय की शिक्षिका डॉ. सुकीर्ति उपाध्याय एवं शिक्षक डॉ. प्रशांत उपाध्याय द्वारा लिखित अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक एन ओवरव्यू ऑन द हर्बल ट्रीटमेंट ऑफ वायरल डिसीसिस का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पाण्डेय ने दोनों शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और शोधार्थियों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने भी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक लेखन हेतु उक्त दोनों शिक्षकों की सराहना की। वहीं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी व प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने भी दोनों शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए आशा व्यक्त की कि इससे अन्य शिक्षक भी पुस्तक लेखन हेतु प्रेरित होंगे। पुस्तक की लेखिका डॉ. सुकीर्ति ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन कैंब्रिज स्कॉलर पब्लिशर, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा किया गया है। इस पुस्तक में विषाणु द्वारा जनित विभिन्न बीमारियों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न औषधीय का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है। डॉ. सुकीर्ति ने जानकारी दी कि इस पुस्तक में विषाणु जनित व्याधियों जैसे कॉविड-19, मेनिनजाइटिस, एड्स, डेंगू इत्यादि व्याधियों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली वन औषधियां का भी वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 59 पाउंड मूल्य की यह पुस्तक देश-विदेश में अमेजॉन, फ्लिपकार्ट द्वारा उपलब्ध होगी। फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. सुकीर्ति को 16 वर्ष का तथा डॉ. प्रशांत को 18 वर्ष का अनुभव लंबा अनुभव होने के साथ ही दोनों शिक्षक विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला एवं संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुके हैं। डॉ. सुकीर्ति के निर्देशन में 02 शोधार्थी एवं डॉ. प्रशांत के निर्देशन में 06 शोधार्थी सफलतापूर्वक अपना शोधकार्य पूर्ण कर चुके हैं, वहीं वर्तमान में डॉ. सुकीर्ति के निर्देशन में 08 एवं डॉ. प्रशांत के निर्देशन में 06 शोधार्थी शोधकार्य कर रहे हैं। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार व अन्य शिक्षकों ने भी दोनों शिक्षकों को बधाई दी है।

आईएफटीएम के शिक्षकों द्वारा लिखी पुस्तक पर्सनल फाइनेंस एंड प्लानिंग का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट के शिक्षकों मिस. शैफाली अग्रवाल, डॉ. अर्चना, डॉ. संजय कुमार सिंह एवं मिस. ज्योति द्वारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक पर्सनल फाइनेंस एंड प्लानिंग का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने उक्त सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तक लेखन एक श्रेष्ठ कार्य है। पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थियों और पाठकों को युगों-युगों तक मार्गदर्शन मिलता है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने उक्त सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। पुस्तक की लेखिका मिस. शैफाली अग्रवाल ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन कल्याणपुर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश प्रकाशन बुक रिवर द्वारा किया गया है। 400/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में वित्तीय नियोजन के उद्देश्य, वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के तरीके, और अचानक आने वाली वित्तीय परेशानियों से निपटने के उपाय बताए गए है। उन्होंने जानकारी दी कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के निदेशकों एवं शिक्षकों ने भी सभी लेखकों को बधाई दी।

आईएफटीएम के कृषि विद्यार्थियों ने पूसा कृषि विज्ञान मेला- 2025 का किया भ्रमण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बीएससी- कृषि तथा बी.टेक- कृषि, अंतिम वर्ष के 32 विद्यार्थियों ने दिल्ली में आयोजित पूसा कृषि विज्ञान मेला- 2025 का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को भ्रमण के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। मेला भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने स्मार्ट खेती मॉडल, संरक्षित खेती, हाइड्रोपोनिक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मुर्गी पालन, पशुपालन एवं मछली पालन के बारे में विषय विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने कृषि में अधिक उत्पादन के लिए अच्छे बीजों के चयन और बीजों को खरीदते समय रखने वाली सावधानियों तथा जैविक खेती उत्पाद से कृषि में किसानों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। भ्रमण में विद्यार्थियों ने कृषि आधारित नए सेक्टर्स में अधिक आय प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार की टेक्नोलॉजी के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही इनको प्रारंभ करने के लिए सरकार सब्सिडी प्राप्त करने के बारे में जाना। वहीं विद्यार्थियों को नैनो फर्टिलाइजर्स के माध्यम से उन्नत खेती करने, स्वयं अपना रोजगार चुनने व इंस्टीट्यूट में उपलब्ध रिसर्च कार्यों के तरीकों के बारे में भी जानकारी मिली। साथ ही विभिन्न प्रकार की हर्बल औषधि के बारे में भी जानकारी मिली, जिनका प्रयोग करके मनुष्यों के विभिन्न प्रकार के रोगों को आसानी से सही किया जा सकता है। इस मौके पर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेन्द्र सिंह ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि करने के लिए सुप्रसिद्ध संस्थानों एवं कृषि मेले का भ्रमण उन्हें नियामित रूप से कराया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीकी ज्ञान से आत्मनिर्भर किसान विषय पर आधारित यह कृषि विज्ञान मेला भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा, दिल्ली में 22 से 24 फरवरी तक आयोजित होगा। भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के डॉ. सुनील कुमार, अभिषेक तिवारी, इंजीनियर विजेता सिंह एवं डॉ. आंचल सिंह भी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए टैक्स प्लानिंग एंड इन्वेस्टमेंट ऑपर्चुनिटीज विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस आयोजन से शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में टैक्स प्लानिंग और इन्वेस्टमेंट को लेकर नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश योजना अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए धन का निवेश करने का एक रणनीतिक तरीका होने के साथ ही यह एक वित्तीय साधन है, जो भविष्य में स्थाई संपत्ति बनाने में मदद करता है। इस कार्यशाला में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार सक्सेना ने बतौर रिसोर्स पर्सन शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विभिन्न फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट की योजनाओं के बारे में विस्तार के साथ जानकारी उपलब्ध कराई।

इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समय-समय पर ऐसी कार्यशालाएं आयोजित होती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने इन्वेस्टमेंट प्लानिंग को फाइनेंशियल प्लान का आवश्यक घटक बताया, जो कि व्यक्तियों को अपने जीवन के किसी लक्ष्य और फाइनेंशियल संकट को दूर करने में सहायता प्रदान करता है। स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की सह संयोजिका डॉ. निधि चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल के सभी सदस्यों समेत स्कूल के कई फैकल्टी मैम्बर्स का योगदान रहा।

आईएफटीएम में बंच ऑफ विजडम थीम पर आधारित चतुर्थ वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने किया उद्घाटन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से बंच ऑफ विजडम थीम पर आधारित चतुर्थ वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी -2025 का आयोजन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण करने के उपरांत फीता काटकर किया। इस अवसर पर कुलाधिपति कोठीवाल ने कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती है, इसलिए विद्यार्थियों को अच्छी पुस्तकों का चयन कर उनका भली-भांति अध्ययन करना चाहिए। वहीं कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के अध्ययन, अध्यापन की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक पुस्तकालय की सुविधा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी पुस्तकालय का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रदर्शनी में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा एवं निदेशक आईक्यूएसी प्रो. राकेश कुमार यादव ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों के अथक प्रयासों की सराहना की। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बी.के. राजपूत ने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश भर के सुप्रसिद्ध 20 से अधिक प्रकाशकों ने 4500 से अधिक नव प्रकाशित पुस्तकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रदर्शनी का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्रों में पुस्तकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पढ़ने के प्रति अभिरुचि जागृत करना एवं पुस्तकालय के संग्रह को अद्यतन करना रहा। प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों समेत 1000 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के सफल आयोजन में सह संयोजक व डिप्टी लाइब्रेरियन बी.एस. बांगा, आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शुक्रवार, 28 फरवरी 2025
7

बंच ऑफ विजडम थीम पर हुई प्रदर्शनी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से बंच ऑफ विजडम थीम पर चतुर्थ वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राजीव कोठीवाल ने कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को अच्छी पुस्तकों का चयन कर उनका अध्ययन करना चाहिए। प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के अध्ययन, अध्यापन की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक पुस्तकालय की सुविधा की गई है। शिक्षक और विद्यार्थी पुस्तकालय का अधिक से अधिक उपयोग करें। ब्यूरो

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 06

आईएफटीएम में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलाधिपति राजीव कोठीवाल। • हिन्दुस्तान

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करती हैं पुस्तकें : राजीव

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता आईएफटीएम विश्वविद्यालय में केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से गुरुवार को 'बंच ऑफ विजडम' थीम पर आधारित चतुर्थ वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी 2025 का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विवि के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करती है, इसलिए विद्यार्थियों को अच्छी पुस्तकों का चयन कर उनका भली-भांति अध्ययन करना चाहिए। कुलपति प्रो. पांडेय ने कहा कि विवि में शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के अध्ययन, अध्यापन की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए सभी सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक पुस्तकालय की सुविधा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी पुस्तकालय का अधिक से अधिक उपयोग करें। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने शिक्षकों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. नवनीत वर्मा, प्रो. राकेश कुमार यादव ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'कूल क्यूलिनेरियंस- क्रिएटिंग मैजिक विदाउट फायर' थीम पर आधारित प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल द्वारा "कूल क्यूलिनेरियंस- क्रिएटिंग मैजिक विदाउट फायर" थीम पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में टीम वर्क, नेतृत्व और प्रबंधन कौशल आदि गुणों का विकास होता है। साथ ही उन्होंने खाद्य उद्योग के आर्थिक महत्व और विकास में इसके योगदान पर भी चर्चा की। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर होटल मैनेजमेन्ट, प्रथम वर्ष छात्रा मुस्कान अरुण और रितिक कुमार प्रथम तथा बीकॉम, द्वितीय वर्ष छात्रा लविजा जावेद और अलीजा द्वितीय स्थान पर रहीं। इस दौरान होटल प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. स्वाति राय निर्णायक मंडल के सदस्य रहे।

इस मौके पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार यादव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना समेत डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. भुवन गुप्ता, श्री अक्षय शर्मा आदि फैकल्टी मैम्बर्स की उपस्थिति रही। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। निर्णायक मंडल की सदस्या डॉ. मेघा भाटिया ने कार्यक्रम की महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और खाद्य क्षेत्र में करियर बनाने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण हैं। अंत में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की संयोजिका डॉ. आरती गर्ग ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विधान केसरी

आईएफटीएम में कूल क्यूलिनेरियंस– क्रिएटिंग मैजिक विदाउट फायर थीम पर आधारित प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल द्वारा कूल क्यूलिनेरियंस- क्रिएटिंग मैजिक विदाउट फायर थीम पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में टीम वर्क, नेतृत्व और प्रबंधन कौशल आदि गुणों का विकास होता है। साथ ही उन्होंने खाद्य उद्योग के आर्थिक महत्व और विकास में इसके योगदान पर भी चर्चा की। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर होटल मैनेजमेन्ट, प्रथम वर्ष छात्रा मुस्कान अरुण और रितिक कुमार प्रथम तथा बीकॉम, द्वितीय वर्ष छात्रा लविजा जावेद और अलीजा द्वितीय स्थान पर रहीं। इस दौरान होटल प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मेघा भाटिया और डॉ. स्वाति राय निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। इस मौके पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार यादव, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना समेत डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. भुवन गुप्ता, अक्षय शर्मा आदि फैकल्टी मैम्बर्स की उपस्थिति रही।

उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। निर्णायक मंडल की सदस्या डॉ. मेघा भाटिया ने कार्यक्रम की महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और खाद्य क्षेत्र में करियर बनाने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण हैं। अंत में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की संयोजिका डॉ. आरती गर्ग ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फ्यूचर-रेडीः बिल्डिंग स्किल्स फॉर द जॉब्स ऑफ टुमॉरो विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में फ्यूचर-रेडीः बिल्डिंग स्किल्स फॉर द जॉब्स ऑफ टुमॉरो विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के

कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने वेबिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय से बी.टेक., इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 2022 बैच की पूर्व छात्रा व वर्तमान में स्काईव्यू कॉर्पोरेट पार्क, गुरूग्राम, हरियाणा में बीएमएस सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत सुश्री मुस्कान मुख्य वक्ता रहीं। वेबिनार के दौरान मुख्य वक्ता मुस्कान ने इंजीनियरिंग क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को गेट की परीक्षा का महत्व बताने के साथ ही इंजीनियरिंग संबंधित विभिन्न स्किल्स, सॉफ्टवेयर व पढाई के दौरान मिलने वाले सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने शैक्षणिक शिक्षा के दौरान सिखाए जाने वाले अनुशासन की भी उद्योग जगत में महत्ता बताई। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनुज श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने मुख्य वक्ता व एलुमना सुश्री मुस्कान को शुभकामनायें दीं। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा वेबिनार के विषय के बारे में जिज्ञासावश पूछी गई विभिन्न शंकाओं का समाधान भी किया। वेबिनार का संचालन आयोजन सचिव व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री अंखी गुलाटी ने किया। वेबिनार के सफल आयोजन में एलुमनाई समन्वयक सुश्री अंखी गुलाटी, श्री गौरव हावडिया एवं डॉ. संजय कुमार यादव और डॉ. अमर शर्मा का विशेष योगदान रहा। इस वेबिनार में ४० से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वेबिनार के अंत में कार्यक्रम के संयोजक व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार ने आभार व्यक्त किया।वि०

आईएफटीएम में सेमिनार का हुआ आयोजन

सेमिनार में मुख्य वक्ता रहे अब्दुल वहाज खान

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में ''आधुनिक नौकरी बाजार में आगे बढ़ना: डिजिटल युग में सफल नौकरी तलाशने की रणनीतियां'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के सफल एलुमनाई अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय के एमबीए- 2021- 23 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में 'अमेजॉन गुरुग्राम' में एक्टिंग सुपरवाइजर श्री अब्दुल वहाज खान मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में डिजिटल युग में नौकरी के लिए रणनीति बनाने के लिए, रिज्यूमे तैयार करने, डिजिटल मार्केटिंग का

इस्तेमाल करने, और डिजिटल भर्ती जैसे कई कार्यों के लिए रणनीति बनाने का तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता व एलुमनस श्री खान को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों और आयोजन समिति के सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. चारू दत्ता ने एलुमनाई श्री खान एवं अन्य अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की एलुमनाई समन्वयिका सुश्री शेफाली अग्रवाल समेत डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. मेघा भाटिया आदि फैकल्टी मैम्बर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में संयोजिका डॉ. स्वाति राय ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सेमिनार में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों समेत 50 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में आधुनिक नौकरी बाजार में आगे बढ़नाः डिजिटल युग में सफल नौकरी तलाशने की रणनीतियां विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

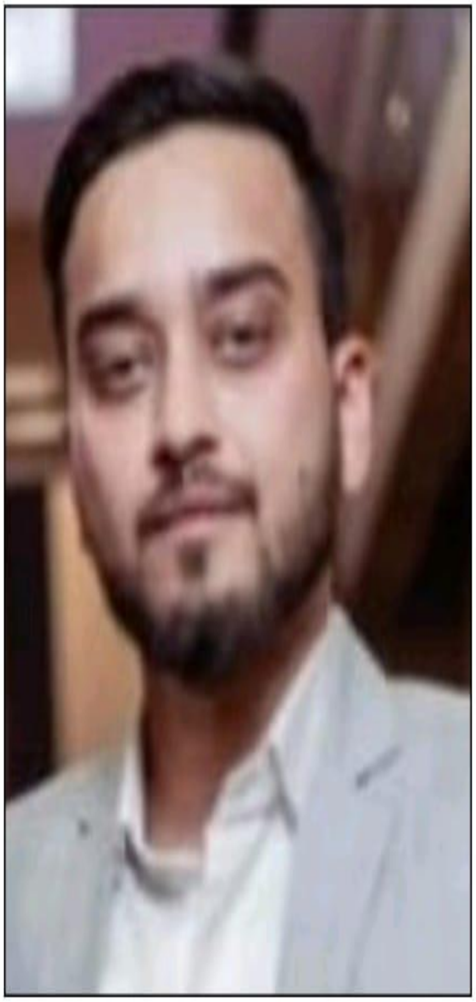

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक नौकरी बाजार में आगे बढ़नाः डिजिटल युग में सफल नौकरी तलाशने की रणनीतियां विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के सफल एलुमनाई अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय के एमबीए-2021-23 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में ह्यअमेजॉन गुरुग्रामह्न में एक्टिंग सुपरवाइजर श्री अब्दुल वहाज खान मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में डिजिटल युग में नौकरी के लिए रणनीति बनाने के लिए, रिज्यूमे तैयार करने, डिजिटल मार्केटिंग का इस्तेमाल करने, और डिजिटल भर्ती जैसे कई कार्यों के लिए रणनीति बनाने का तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता व एलुमनस श्री खान को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों और आयोजन समिति के सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. चारू दत्ता ने एलुमनाई श्री खान एवं अन्य अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की एलुमनाई समन्वयिका सुश्री शेफाली अग्रवाल समेत डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. मेघा भाटिया आदि फैकल्टी मैम्बर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में संयोजिका डॉ. स्वाति राय ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सेमिनार में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों समेत 50 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में अन्डर 16 बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिखा नन्हे पंछियों का परवाज

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रविवार को अन्डर 16 बैडमिंटन प्रतियोगिता उड़ान का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान में कार्यरत अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता बालक और बालिका दोनों वर्गों में अंडर 10 और 11 से 16 आयु वर्ग में आयोजित हुई।

उसे गुमां है कि मेरी उड़ान कुछ कम है,
मुझे यकीन है कि यह आसमान कुछ कम है।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हाल में रविवार की सुबह का नजारा बेहद खास नजर आया। अलग-अलग वर्गों में आयोजित हुई इस बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल और खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं। वहीं कुलपति प्रो. पाण्डेयने अपने उद्बोधन से प्रतिभागियों में जोश भरते हुए कहा कि यह आयोजन नन्हें खिलाड़ियों के हौसलों और जज्बे को बढ़ाने के लिए किया गया है। हो सकता है आगे चलकर इन प्रतिभागियों में से कुछ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करें।

वहीं खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि आज से विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शौर्य-2025 का आगाज हो गया है, जिसमें इस प्रतियोगिता के बाद स्टाफ मीट और स्टूडेंट मीट के दो संस्करण मार्च माह में आयोजित कराए जाएंगे। प्रतियोगिता के मैच बेहद शानदार रहे। कुल मिलाकर एक 35 प्रतिभागियों ने अपने कौशल का असाधारण प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में अंडर 10 आयु वर्ग में फाइनल मुकाबला देव और नभ्य के बीच खेला गया, जिसमें देव ने 15-4, 15-5 से मैच अपने नाम किया। वहीं 11-16 आयु वर्ग में प्रज्ञान में आदित्य को 16-21, 21-19 एवं 21-12 से हराकर फाइनल की ट्रॉफी जीती। बालिका वर्ग में अंदर 10 आयु वर्ग में फाइनल मुकाबला आरोही और अंशु के बीच खेला गया, जिसे आरोही ने अंशु को 15-6, 15-9 से हराकर जीता। 11-16 आयु वर्ग में बालिका वर्ग का मुकाबला सारा और मान्य के बीच हुआ, जिसमें सारा ने 21-16, 21-19 से जीत हासिल कर फाइनल अपने नाम किया। सभी विजेताओं और उपविजेताओं को उपस्थित मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी प्रदान कीं और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री कपिल गिल, डॉ. शशांक चैधरी एवं डॉ. देश दीपक एवं डॉ. मनीश भट्ट का विशेष सहयोग रहा। वि0

आईएफटीएम में 'अन्डर 16 बैडमिंटन प्रति० उड़ान' में दिखा नन्हे पंछियों का परवाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व विद्यालय में रविवार को "अन्डर 16 बैडमिंटन प्रतियोगिता 'उड़ान'" का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान में कार्यरत अधिकारियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। यह प्रतियोगिता बालक और बालिका दोनों वर्गों में अंडर 10 और 11 से 16 आयु वर्ग में आयोजित हुई। 'उसे गुमां है कि मेरी उड़ान कुछ कम है, मुझे यकीन है कि यह आसमान कुछ कम है।' आईएफटीएम विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय हाल में रविवार की सुबह का नजारा बेहद खास नजर आया। अलग-अलग वर्गों में आयोजित हुई इस बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल और खेल निद. शक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं। वहीं कुलपति प्रो. पाण्डेयने अपने उद्बोधन से प्रतिभागियों में जोश भरते हुए कहा कि यह आयोजन नन्हें खिलाड़ियों के हौसलों और जज्बे को बढ़ाने के लिए किया गया है। हो सकता है आगे चलकर इन प्रतिभागियों में से कुछ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करें। वहीं खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि आज से विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता "शौर्य-2025" का आगाज हो गया है, जिसमें इस प्रतियोगिता के बाद 'स्टाफ मीट' और 'स्टूडेंट मीट' के दो संस्करण मार्च माह में आयोजित कराए जाएंगे। प्रतियोगिता के मैच बेहद शानदार रहे। कुल मिलाकर एक 35 प्रतिभागियों ने अपने कौशल का असाधारण प्रदर्शन किया। बालक वर्ग में अंडर 10 आयु वर्ग में फाइनल मुकाबला देव और नभ्य के बीच खेला गया, जिसमें देव ने 15-4, 15-5 से मैच अपने नाम किया। वहीं 11-16 आयु वर्ग में प्रज्ञान में आदित्य को 16-21, 21-19 एवं 21-12 से हराकर फाइनल की ट्रॉफी जीती। बालिका वर्ग में अंदर 10 आयु वर्ग में फाइनल मुकाबला आरोही और अंशु के बीच खेला गया, जिसे आरोही ने अंशु को 15-6, 15-9 से हराकर जीता। 11-16 आयु वर्ग में बालिका वर्ग का मुकाबला सारा और मान्य के बीच हुआ, जिसमें

सारा ने 21-16, 21-19 से जीत हासिल कर फाइनल अपने नाम किया। सभी विजेताओं और उपविजेताओं को उपस्थित मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी प्रदान कीं और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री कपिल गिल, डॉ. शशांक चौधरी एवं डॉ. देश दीपक एवं डॉ. मनीश भट्ट का विशेष सहयोग रहा।

आईएफटीएम और गुरुकुल कांगड़ी के बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए हुआ एमओयू साइन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय और गुरुकुल कांगड़ी सम विश्व विद्यालय, हरिद्वार के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम0ओ0यू0 साइन किया गया। यह एम0ओ0यू0 आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ० नवनीत वर्मा एवं गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की कुलपति डॉ० हेमलता द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ज्ञान का कोई अंत नहीं है, इसे जितना बांटा जाए उतना ही बढ़ता है। उन्होंने इस एम0ओ0यू0 को मील का पत्थर साबित होना बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से दो विश्वविद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी ज्ञान को और आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही उन्होंने आईएफटीएम विश्व विद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। इस मौके पर गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की कुलपति डॉ० हेमलता ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम0ओ0यू0 के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध करायेंगे। वहीं इस एम0ओ0यू0 को लेकर आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हए एम0ओ0यू0 का लाभ आने वाले दिनों में दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को शिक्षा

व शोध कार्यों के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम0ओ0यू0 के फलस्वरूप विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा दोनों विश्वविद्यालय परस्पर मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे। इस मौके पर आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० प्रशांत उपाध्याय एवं गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० विपिन कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय और गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के बीच शोध को बढ़ावा देने के लिए हुआ एम0ओ0यू0 साइन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय और गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम0ओ0यू0 साइन किया गया। यह एम0ओ0यू0 आईएफटीएम विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ० नवनीत वर्मा एवं गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की कुलपति डॉ० हेमलता द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ज्ञान का कोई अंत नहीं है, इसे जितना बांटा जाए उतना ही बढ़ता है। उन्होंने इस एम0ओ0यू0 को मील का पत्थर साबित होना बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से दो विश्वविद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी ज्ञान को और आगे बढ़ा सकेंगे। साथ ही उन्होंने आईएफटीएम विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

इस मौके पर गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की कुलपति डॉ० हेमलता ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम0ओ0यू0 के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय अपने अनुभव साझा कर विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध करायेंगे। वहीं इस एम0ओ0यू0 को लेकर आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हए एम0ओ0यू0 का लाभ आने वाले दिनों में दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को शिक्षा व शोध कार्यों के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम0ओ0यू0 के फलस्वरूप विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा दोनों विश्वविद्यालय परस्पर मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे। इस मौके पर आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फामेर्सी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० प्रशांत उपाध्याय एवं गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में फामेर्सी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० विपिन कुमार शर्मा उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में पेरेंट्स-मेंटर मीट का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में मेंटरिंग एंड काउन्सलिंग सेल के सहयोग से पेरेंट्स-मेंटर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासित और सांस्कारिक बनाने की दृष्टि से विद्यार्थियों के पेरेंट्स और शिक्षकों के बीच समय-समय पर मीटिंग होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की एकेडमिक गतिविधियां उनके अभिभावकों से साझा करने के सकारात्मक परिणाम आते हैं। इससे विद्यार्थी को नई दिशा मिलती है और समय पर उचित मार्गदर्शन भी मिलता रहता है। इस मीट में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को विद्यार्थियों की एकेडमिक प्रोग्रेस व पाठ्येत्तर गतिविधियों के बारे में बताया गया और उनके सुधार के लिए सुझाव भी साझा किये गए।

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने सभी विद्यार्थी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए मीट में उपस्थित सभी अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने जीवन में सफल होने व बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमताओं के विकास में शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश भी डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के समन्वयक श्री संजय सिंह, आयोजन सचिव व बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वपन कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. राशि श्रीवास्तव तथा असिस्टेंट प्रोफेसर मिस. कंचन लखेरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीवास्तव ने सभी का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में 35 विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया। वि0